राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 29 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-190 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संभल में बचे 15 फीसदी हिंदू, बाकी कर गए पलायन

● संभल हिंसा पर न्यायिक आयोग ने सौंपी योगी को रिपोर्ट ● 450 पेज की रिपोर्ट, इसमें हिंदू आबादी घटने का दावा

लखनऊ/संभल (एजेंसी)। यूपी के संभल में हुई हिंसा की 450 पन्नों की रिपोर्ट न्यायिक आयोग ने सीएम योगी को सौंप दी है। इसमें सिर्फ 24 नवंबर, 2024 को हुई हिंसा के बारे में नहीं बताया गया, बल्कि संभल में कब-कब दंगे हुए, इसका भी जिक्र है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में बताया गया कि बार-बार दंगों से संभल नगर निगम क्षेत्र में हिंदू आबादी कम होती गई। अब वहां सिर्फ 15 प्रतिशत हिंदू आबादी बची है। बाकी पलायन कर गई। आजादी के वक्त यानी 1947 में संभल में 45 फीसदी हिंदू आबादी थी। 30 फीसदी हिंदू जनसंख्या पिछले 78 सालों में घटी है। संभल में पिछले साल जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इसमें 4 लोगों

की जान गई थी। 29 नवंबर, 2024 को यूपी सरकार ने हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया था। इसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस देवेंद्र कुमार अरोड़ा, रिटायर्ड आईएएस अमित मोहन और रिटायर्ड आईपीएस अरविंद कुमार जैन शामिल थे। न्यायिक आयोग ने गुरुवार को लखनऊ में सीएम योगी से मुलाकात कर गोपनीय जांच रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट को कैबिनेट में पास कराया जाएगा। वहां से विधानसभा पटल में रखी जाएगी। अरविंद कुमार जैन ने बताया- हमने एक-एक बिंदु को देखा है। जितने गवाह हैं, उनके भी बयान लिए हैं। जितना भी कर सकते थे, उसमें किया। अब तक 15 दंगे हुए, जबरन धर्मांतरण कराया गया सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में हरिहर मंदिर के ऐतिहासिक अस्तित्व के साक्ष्य मिलने का जिक्र है। कहा गया कि संभल में अब तक 15 दंगे हो चुके हैं। 1978 के बाद हिंदुओं की संख्या घटती चली गई।

मंदिर, पानी और श्मशान में नहीं होना चाहिए कोई भेद

शताब्दी वर्ष में संघ प्रमुख मोहन भागवत का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर, पानी और श्मशान में कोई भेद नहीं होना चाहिए। उन्होंने हिंदुत्व और हिंदू विचारधारा पर भी बात की। भागवत ने कहा कि हिंदुत्व क्या है। हिंदू विचारधारा क्या है। संक्षेप में कहें तो दो शब्द हैं, सत्य और प्रेम। दुनिया एकता पर चलती है; यह सौदों से नहीं चलती, यह अनुबंधों से नहीं चलती, यह चल ही नहीं सकती। उन्होंने कहा,हिंदू राष्ट्र का जीवन-लक्ष्य क्या है। हमारा हिंदुस्तान, इसका उद्देश्य विश्व कल्याण है। विकास के क्रम में, दुनिया ने अपने भीतर खोजना बंद कर दिया... अगर हम अपने भीतर खोजेंगे, तो हमें शाश्वत सुख का स्रोत मिलेगा जो कभी मिटता नहीं। इसे पाना ही मानव जीवन का परम लक्ष्य है और इससे सभी सुखी होंगे। सभी एक-दूसरे के साथ सद्भाव से रह सकेंगे। दुनिया के कलह समाप्त हो जाएंगे। दुनिया में शांति और सुख होगा। मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि पहले और दूसरे विश्वयुद्ध के बाद भी तीसरे विश्वयुद्ध जैसी स्थिति आज दिखाई देती है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं स्थायी शांति स्थापित नहीं कर पाई हैं। इसका समाधान केवल धर्म संतुलन और भारतीय दृष्टि से ही संभव है। उन्होंने कहा कि हमें तब तक आगे बढ़ते रहना चाहिए जब तक हम सम्पूर्ण हिंदू समाज को एक करने के लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर लेते। और हम यह कैसे कर सकते हैं। इसे चार सिद्धांतों में अभिव्यक्त किया जा सकता है।

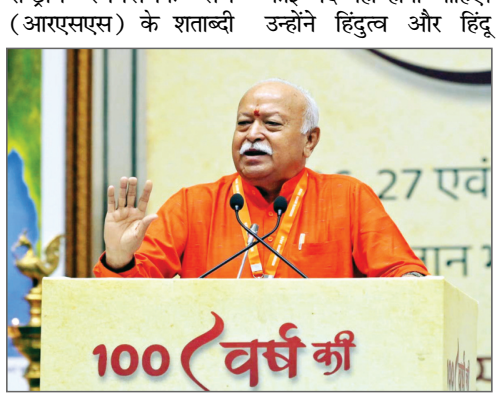

मोदी और जिनपिंग की मुलाकात की डेट फाइनल

● 31 अगस्त को मिलेंगे दोनों नेता,सीमा विवाद पर वार्ता संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच मीटिंग की डेट फाइनल हो गई है। दोनों नेता रविवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बैठक करेंगे। जापान की अपनी दो दिवसीय यात्रा के समापन के बाद पीएम मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति शी के निमंत्रण पर चीन में होंगे। माना जा रहा है कि इस द्विपक्षीय वार्ता में ट्रंप टैरिफ पर भी बात होने की संभावना है। एससीओ समिट से इतर दोनों नेताओं की मुलाकात 31 अगस्त को होगी। यह पिछले सात वर्षों में पीएम मोदी की पहली चीन यात्रा होगी और जून 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुए टकराव के बाद पहली यात्रा होगी। दोनों नेताओं ने 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर एक बैठक की थी। भारत और चीन के बीच चार साल से सीमा टकराव चल रहा है।

भगदड़ पीड़ितों के जख्मों पर मरहम लगाएगी आरसीबी

● घटना के 84 दिन बाद अहम ऐलान से तोड़ दी है चुप्पी

बेंगलुरु (एजेंसी)। इस साल आईपीएल के इतिहास में पहली बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाने के बाद आरसीबी के जश्न में मची भगदड़ पर फ्रेंचाइजी ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। उसने आरसीबी केयर्स नाम की पहल का ऐलान किया है। हालांकि, उसके बारे में अभी डीटेल से नहीं बताया गया है लेकिन जल्द ही डीटेल शेयर करने की बात कही गई है। आईपीएल खिताब जीतने के अगले दिन 4 जून को आरसीबी ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में जश्न का कार्यक्रम रखा था। उस दौरान स्टेडियम के गेट के पास भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 अन्य घायल हो गए थे। भगदड़ के 84 दिन बाद आरसीबी ने उसे लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उसने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट डालते हुए कहा है कि उसकी चुप्पी गैरमौजूदगी नहीं थी। वह दर्द था। इसके साथ ही फ्रेंचाइजी ने आरसीबी केयर पहल का जिक्र किया है। पोस्ट में उसके बारे में तो और ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है लेकिन संकेत मिल रहा है कि हो सकता है कि फ्रेंचाइजी भगदड़ के पीड़ित परिवारों के लिए कुछ राहतभरा कदम उठाए। ये राहत आश्रितों के जीवनयापन, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई की जिम्मेदारी उठाने या आर्थिक मदद जैसी पहल के रूप में हो सकती है। लेकिन आरसीबी केयर के तहत ऐसा कुछ होगा पता नहीं।

जब तक मैं जिंदा हूं किसी को नहीं छीनने दूंगी हक

● एसआईआर को लेकर भाजपा पर बरसीं ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को टीएमसी छात्र परिषद की रैली में भाजपा पर जोरदार हमले किए हैं। ममता बनर्जी ने कहा है कि भाजपा 500 लोगों की टीम ले कर बंगाल आई है और लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए सर्वे किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लेकिन उनके होते हुए किसी भी बंगाली के मतदान के अधिकार को नहीं छीनने दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने 'भाषाई आतंकवाद' का भी जिक्र किया है। सीएम ममता ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा है कि भाषाई आतंकवाद को कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कोलकाता में छात्र शाखा की एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा,आपको खुद जांच करनी चाहिए।

यूपी में बड़े औद्योगिक और श्रम सुधार में जुटी योगी सरकार

आपराधिक कानून खत्म करने वाला ये विधेयक बदल देगा सिस्टम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश निवेश लाने की कोशिश में लगी योगी सरकार श्रम कानून से जुड़े बड़े बदलाव करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य में उद्योग और व्यापार से जुड़े 13 राज्य अधिनियमों में लगभग 99 प्रतिशत आपराधिक प्रावधान समाप्त करने की तैयारी है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश जल्द ही देश का पहला ऐसा राज्य बन जाएगा, जहां व्यावहारिकता के दृष्टिकोण से इतने बड़े पैमाने पर आपराधिक प्रावधानों को गैर-आपराधिक श्रेणी में परिवर्तित किया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक हाइलेवल मीटिंग में कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और सशक्त बनाने के लिए नए कदम उठाना समय की मांग है। साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि औद्योगिक विकास के साथ श्रमिकों की सुरक्षा और सुविधा की गारंटी सुनिश्चित हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'श्रमेव जयते' के भाव को आत्मसात करते हुए हमें ऐसे सुधार करने होंगे, जो उद्यमियों और श्रमिकों; दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हों। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सरकार जल्द ही 'सुगम्य व्यापार (प्राविधानों का संशोधन) विधेयक, 2025' लाने जा रही है। इसके अंतर्गत आबकारी अधिनियम, शीरा अधिनियम, वृक्ष संरक्षण अधिनियम, राजस्व संहिता, गन्ना अधिनियम, भूगर्भ जल अधिनियम, नगर निगम अधिनियम, प्लास्टिक कचरा अधिनियम, सिनेमा अधिनियम तथा क्षेत्र व जिला पंचायत अधिनियम सहित कई कानूनों को अधिक व्यावहारिक स्वरूप दिया जाएगा।

यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस का भीषण हमला

● 629 एयरस्ट्राइक, हाइपरसोनिक किंझल मिसाइल भी दागी

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन की राजधानी कीव मंगलवार रात रूस के सबसे बड़े हमलों में से एक से दहल गई। ड्रोन और मिसाइलों से हुए हमलों में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें चार बच्चे भी शामिल हैं। इस हमले में कम से कम 10 बच्चे घायल हो गये हैं। यूक्रेन की एयरफोर्स ने दावा किया कि रूस ने रातभर में 629 एयर स्ट्राइक किए हैं। जिनमें 598 ड्रोन हमले और 31 मिसाइल हमले किए गये हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूस का निशाना यूक्रेन के मिलिट्री-इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स और एयरबेस थे, जबकि स्थानीय अधिकारियों का आरोप है कि हमला सीधे रिहायशी इलाकों पर किया गया। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख तैमूर त्काचेंको ने बताया कि मृतकों में दो, 14 और 17 साल के तीन नाबालिग शामिल हैं।

पहाड़ से मैदान तक बाढ़-बारिश का तांडव

● पंजाब के 150 गांव जलमग्न, उतारनी पड़ी सेना

रावी नदी का पानी तटबंधों को तोड़कर अंदर घुसा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और डैमों से लगातार छोड़े जा रहे पानी के कारण पंजाब और हिमाचल में तबाही मची हुई है। आज ब्यास नदी पर बने पौंग बांध का जलस्तर खतरे के निशान 1390 फीट से बढ़कर 1396 फीट तक पहुंच गया है। बीबीएमबी ने फैसला लिया है कि आज दोपहर 2 बजे 1 लाख 10 हजार क्यूसिक पानी ब्यास नदी में छोड़ा जाएगा। इसके लिए हिमाचल और पंजाब के सभी गांवों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। रणजीत सागर बांध का जलस्तर भी खतरे के निशान 527 फीट के करीब पहुंच चुका है। राज्य के आठ जिले भीषण बाढ़ की चपेट में हैं। रावी, ब्यास और सतलुज नदियों में जलस्तर बढ़ने से पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन, होशियारपुर, कपूरथला, जालंधर, फिरोजपुर और फाजिल्का जिलों के 150 से अधिक गांव डूब गए हैं। यहां एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सेना बचाव कार्य में जुटी है। रावी नदी में उफान के कारण बुधवार को पठानकोट के माधोपुर हेडवर्क्स के चार गेट टूट गए जिससे वहां तैनात 50 कर्मचारी फंस गए।

324 जिलों के 1 लाख गांवों की बदलेगी तस्वीर

आदिवासियों के लिए बहुत खास है मोदी सरकार का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार एक जनजातीय आउटरीच कार्यक्रम शुरू कर रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 1 लाख आदिवासी गांवों को सशक्त बनाना है। इसके तहत ग्रामीण अपनी पंचवर्षीय विकास योजनाएं स्वयं तैयार करेंगे। इसके लिए 20 लाख अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि सरकारी योजनाएं जमीनी स्तर तक पहुंचें।

प्रत्येक गांव में 'आदि सेवा केंद्र' स्थापित होंगे, जो शिकायतों का समाधान और जानकारी प्रदान करेंगे। इस योजना के तहत 2 अक्टूबर तक करीब 1 लाख आदिवासी गांव अपनी पंचवर्षीय विकास योजनाएं तैयार करेंगे। इस पहल का लक्ष्य सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाना है। यह 20 लाख अधिकारियों के प्रशिक्षण के साथ शुरू होगी, फिर ग्रामीणों को विकास योजनाएं बनाने, सभी सरकारी योजनाओं को शामिल करने और प्रत्येक गांव में शिकायत निवारण के लिए एकल-खिड़की केंद्र स्थापित करने में शामिल किया जाएगा। जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने 'आदि कर्मयोगी अभियान' या व्यवहार परिवर्तन कार्यक्रम के लिए 324 जिलों के गांवों की पहचान की है। रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि इस कार्यक्रम के बड़े लक्ष्य हैं। मुख्य ध्यान अधिकारियों के प्रशिक्षण पर है, लेकिन इसके परिणामों में सरकारी योजनाओं का 100 फीसदी समावेश और ग्राम विकास योजना शामिल है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे पोषण, स्वास्थ्य, आवास और शिक्षा जैसी योजनाओं को लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचाएं।

शहरों में हर 4 में से 1 स्कूली बच्चा ले रहा प्राइवेट ट्यूशन

● प्राइवेट ट्यूशन पर खर्च गांवों से दोगुना,52 हजार परिवारों पर एनएसएस सर्वे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के एक-चौथाई स्कूली बच्चे यानी हर 4 में से 1 बच्चा स्कूल के अलावा प्राइवेट ट्यूशन ले रहा है। ये जानकारी सामने आई है केंद्र सरकार के कॉम्प्रिहेंसिव मॉड्यूलर सर्वे यानी एनएसएस रिपोर्ट में। रिपोर्ट के अनुसार शहरी इलाकों में 30.7 फीसदी स्टूडेंट्स प्राइवेट कोचिंग ले रहे हैं जबकि ग्रामीण इलाकों में यह आंकड़ा 25.5 फीसदी है। कुल 27 फीसदी स्कूली स्टूडेंट्स प्राइवेट कोचिंग से पढ़ाई कर रहे हैं। यह सर्वे राष्ट्रीय सैंपल सर्वेक्षण के 80वें राउंड का हिस्सा था। इस सर्वे में कंप्यूटर-असिस्टेड पर्सनल इंटरव्यू तकनीक से देशभर के 52,085 घरों और 57,742 छात्रों से डेटा इकट्ठा किया गया है। खर्च के मामले में शहरी क्षेत्रों में प्रति छात्र सालाना औसतन 3,988 रुपए खर्च होते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नीली जींस में यूजेनिक्स के अवशेष

(लेखक- कल्पना पांडे)

कपड़े बेचने वाली अमेरिकन ईगल नामक आर्थिक घाटे में चल रही कंपनी ने 23 जुलाई 2025 को गोरी त्वचा, सुनहरे बाल और नीली आँखों वाली अभिनेत्री सिडनी स्वीनी को बतौर मॉडेल लेते हुए एक विज्ञापन जारी किया। इस विज्ञापन में सिडनी स्वीनी हैज ग्रेट जींस नामक कैचलाइन का उपयोग किया गया। अंग्रेजी के जीन या जनुक और जींस पैंट्स जैसे समान ध्वनि वाले शब्दों पर खेल किया गया। इस शब्द खेल का उपयोग कपड़ों और आनुवंशिक विशेषताओं दोनों के संदर्भ में किया गया। विज्ञापन में स्वीनी कहती हैं—जनुक माता-पिता से संतानों को जाते हैं, जिससे बालों का रंग, व्यक्तित्व, और यहाँ तक कि आँखों का रंग भी तय होता है। कैमरा उनकी डेनिम जींस और जैकेट से चेहरे की ओर और नीली आँखों की ओर मुड़ता है। उसी समय वह कहती हैं—मेरी जींस नीली हैं। अर्थात, उनकी आँखें नीली हैं यह उनके जनुकों के कारण है। इस प्रकार गुड जींस (अच्छी जींस/जनुक) इस शब्द खेल को कपड़ों और आनुवंशिक विशेषताओं दोनों संदर्भों में उपयोग किया गया। प्रश्न यह है—कपड़ों के विज्ञापन में जनुकों का संदर्भ क्यों? और वह भी श्रेष्ठ मानी जाने वाली नीली आँखों से? जाहीर है कि यह विज्ञापन सौंदर्य के नाम पर शुद्ध रक्त और जनुक श्रेष्ठता की नाजी कल्पनाओं को हवा दे रहा है।

यह विज्ञापन अभियान टिकटॉक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब पर धीरे-धीरे हर जगह दिखने लगा। नेटिज़न्स का ध्यान इस विज्ञापन ने आकर्षित किया। आलोचना शुरू हो गई। माता-पिता से अगली पीढ़ी को जनुक जाते हैं, लेकिन जींस के विज्ञापन में इसका उल्लेख करने की आवश्यकता क्या? 'मेरी जींस (जनुक) नीली है,' ऐसा कहते हुए कैमरा केवल आँखों पर केंद्रित करने का कारण क्या, कपड़ों पर नहीं? ऐसे प्रश्न उठने से यह विवाद सीधे यूजेनिक्स (वंशश्रेष्ठता) के आरोपों की ओर मुड़ गया। आगे, बड़े पैमाने पर नाजीवाद और नस्लवाद के विज्ञापन के आरोप भी लगाए गए। उन कुछ दिनों में अमेरिकन ईगल के शेयर कीमतें 24त्न बढ़ गईं। यह वृद्धि दर 2000 के बाद की सबसे बड़ी थी। यह विज्ञापन इतना चर्चा में आया कि, इसकी तुलना ब्रूक शील्ड्स की 1980 के दशक की कैल्विन क्लेन विज्ञापनों से की गई। दुकानदारों के पास सिडनी स्वीनी की जींस तेजी से बिक गईं। कुछ दिनों में ही विज्ञापन वापस ले लिया गया, लेकिन कंपनी का काम हो चुका।

फिर भी मुद्दे पर चर्चा यहीं नहीं रुकी। अभिनेत्री सिडनी स्वीनी ने इस विज्ञापन के बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। कंपनी ने विवाद शांत करने का प्रयास किया, लेकिन तब ही अमेरिका के राष्ट्रपति ने इसके समर्थन में ट्वीट किया। उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने उसे 'पूर्ण अमेरिकी सौंदर्य' कहा, जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने (4 अगस्त, सोमवार) ट्विटर पर कहा, 'सिडनी स्वीनी, पंजीकृत रिपब्लिकन, यह उसकी सबसे लोकप्रिय विज्ञापन है।' उन्होंने यह सार्वजनिक रूप से घोषित किया। सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन करने वाली फॉक्स न्यूज ने भी इस विज्ञापन का समर्थन किया। मीडिया के गहन जांच के बाद यह भी स्पष्ट हुआ कि, वह वास्तव में रिपब्लिकन पार्टी की पंजीकृत मतदाता है। सिडनी स्वीनी ने 14 जून 2024 को फ्लोरिडा मतदाता पंजीकरण में रिपब्लिकन पार्टी के लिए पंजीकरण किया था, यह उसके आधिकारिक रिकॉर्ड से सिद्ध हुआ। प्रतिष्ठित मीडिया—द गार्डियन, बज़फीड, न्यूज़वीक आदि—ने इस बात पर आधारित रिपोर्ट प्रकाशित की। 2022 में सिडनी स्वीनी की माँ के जन्मदिन की पार्टी में उसके द्वारा आमंत्रित कुछ अतिथियों ने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन छाप वाली टोपियाँ पहनी थीं, ये फोटो भी चर्चा में आए। इन सबके उजागर होने के बाद ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से स्वीनी के विज्ञापन अभियान की प्रशंसा की।

डोनाल्ड ट्रंप की नस्लवादी राजनीति में वे गोरे वर्चस्ववाद (व्हाइट सुप्रीमेसी), सांस्कृतिक भय और पहचान के संकट की राजनीतिक भाषा से वह गोरे मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। 'गोरे लोग अल्पसंख्यक बन गए हैं, उनका सांस्कृतिक वर्चस्व खतरे में है,' ऐसा संकेत देते हुए ट्रंप लगातार ऐसी भाषा को प्राथमिकता देते हैं। ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन को उन्होंने कई बार अराजक या अपराधी कहा, जबकि चार्लोट्सविले में यूनाइट द राइट जैसे हिंसक प्रदर्शनों को कानून की चौखट में माना। डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को 'गोरों की सामाजिक स्थिति गिर रही है' इस भावना से ग्रस्त लोगों की पार्टी के रूप में जाना जाता है। इसलिए सिडनी का रिपब्लिकन मतदाता होना, वंशश्रेष्ठता को मजबूत करने वाला विज्ञापन करना, और उसके पक्ष में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व राष्ट्रपति कार्यालय का खड़ा होना, यह राजनीतिक दृष्टि से उनके नीतियों के अनुरूप ही है।

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता स्टीवन चुंग ने भी इस विज्ञापन पर चल रही आलोचना का मजाक उड़ाते हुए 'कैंसल कल्चर का अतिरेक' कहकर इस विवाद को खारिज किया। उनके अनुसार, कैंसल कल्चर ने सीमाएं पार कर दी हैं। दक्षिणपंथी विचारधारा वाले लोगों ने इसे वोक एक्स्ट्रीमिज्म (जागरूकता का अतिरेक) कहा। कुछ छोटी गलती होने पर भी बड़े पैमाने पर नकारात्मक प्रतिक्रियाएँ आने वाली यह कैंसल कल्चर का उदाहरण है, ऐसा वे कहते हैं। प्रवक्ता के अनुसार, लोगों ने इसका अर्थ गलत निकाला और अनावश्यक बहिष्कार अभियान चलाया।

दूसरी ओर, इस विज्ञापन अभियान पर अभी भी यूजेनिक्स के अवशेषों को खाद-पानी देने की तीव्र आलोचना की जा रही है। अमेरिकन ईगल ने सिडनी स्वीनी की मेरी जींस (जनुक/आँखों का रंग) नीली है यह घोषणा 'अच्छी जींस' विज्ञापन में दिखाई, ऐसा माना जाता है। 'गुड जींस' यह शब्द वर्तमान समय में किसी के सौंदर्य की प्रशंसा के लिए उपयोग किया जाता है। हालांकि, इस सरल वाक्य के पीछे इतिहास का एक जटिल, भयानक संदर्भ छिपा है—यूजेनिक्स। अर्थात, पसंदीदा गुणों के संरक्षण के लिए मानव प्रजनन पर नियंत्रण रखने की अवधारणा—चयनित प्रजनन। यह अवधारणा 19वीं शताब्दी में उभरी, और 20वीं शताब्दी में लोकप्रिय हुई। मानव जाति सुधार के नाम पर इस अवधारणा को उचित माना गया, लेकिन वास्तव में यह नस्लवाद, भेदभाव और जबरदस्ती से जुड़ी थी। स्टीवन चुंग जैसे राजनेता जब ऐसी भाषा का समर्थन करते हैं, तब वह केवल कैंसल कल्चर का विवाद नहीं होता—वह भेदभाव को फिर से बढ़ावा देने का खतरनाक प्रयत्न होता है।

यूजेनिक्स विचार से समाज में पहले से मौजूद पूर्वाग्रहों को वैज्ञानिक आधार मिला, जिससे संस्थागत और सामाजिक स्तर पर उनके जड़ों को मजबूती मिली। यह अवधारणा कभी विज्ञान और राजनीति के स्तर पर आगे आई थी। हालांकि, नस्लश्रेष्ठता, जबरदस्ती की नसबंदी और नाजीवाद से जुड़ने के बाद, आज यह अवधारणा पूरी तरह नकार दी गई है। लेकिन, उसमें उचित, शुद्ध, और आकर्षक गुणों की भावना अभी भी मीडिया और विज्ञापनों में सूक्ष्म रूप में दिखती है। इसे मार्केटिंग गलती कहकर छोड़ देना भोलापन होगा। यह जानबूझकर की गई छेड़छाड़ है। सौंदर्य, शुद्धता और श्रेष्ठता को 'अच्छे जनुक' कहकर बेचने वाले कॉर्पोरेट्स केवल कपड़े नहीं बेचते—वे भेदभाव की भावना को फिर से बोते हैं।

ट्रंप ने इस विज्ञापन के पक्ष में भूमिका क्यों ली, यह समझने के लिए उनकी नीतियों का अवलोकन करना चाहिए। जनवरी से राष्ट्रपति ने मेक्सिको की सीमा क्षेत्र में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर आश्रय मांगने वालों को प्रवेश नकारा, पूरे अमेरिका में प्रवासन छापों के आदेश दिए, और सेल्फ डिपोर्टेशन नामक आक्रामक नीति की घोषणा की, तीसरी दुनिया के देशों पर निर्गमन का दबाव बढ़ाया। इतना ही नहीं, विविधता, समानता, और समावेशन (ष्ठश्वढ्ढ) उपायों को रद्द करने के लिए कदम उठाए। प्रशासन आज गोरे, कट्टर, रूत्र (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) मतदाताओं द्वारा निचली स्तर पर पहुँच गया है। ट्रंप ने अपने समर्थकों को चुनाव सभाओं में 'गुड जींस के' होने का कहा। पिछले अक्टूबर में उन्होंने अवैध प्रवास करने वाले हत्या करने वाले लोगों को 'बैड जींस' के होने का घोषित किया। प्रचार में, राष्ट्रपति ने 'अवैध प्रवासकर्ता हमारे देश के रक्त में विष घोल रहे हैं,' ऐसा कहा, जो सीधे एडॉल्फ हिटलर के माइन काम्फ नामक आत्मकथा के शब्दों से मेल खाता है। 2024 के अक्टूबर के मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय के सर्वेक्षण के अनुसार, दो-तिहाई रिपब्लिकन मतदाताओं ने इसे अनुमोदन दिया है। पिछले कुछ वर्षों में, टीवी होस्ट टकर कार्लसन से लेकर अरबपति सीईओ एलन मस्क तक कई लोगों ने ग्रेट रिप्लेसमेंट थियरी (फ्रेंच लेखक कैम्यू, 2010) को बढ़ावा दिया है। इसके अनुसार, गोरे अमेरिकी जल्द ही अल्पसंख्यक होने के खतरे में हैं, और गैर-गोरे प्रवासियों के कारण नौकरियाँ खोने का भय है। 2024 की चुनाव प्रचार में रिपब्लिकन पार्टी ने ऐसा दावा किया कि, डेमोक्रेटिक पार्टी प्रवासियों को चुनाव के लिए आयात कर रही है। वर्तमान अमेरिकी राजनीति रोज एक सर्कस बनती जा रही है। ट्रंप और उनकी पार्टी ने इस अभियान का समर्थन देकर अपनी असली पहचान उजागर की है। यह पार्टी अब केवल दक्षिणपंथी नीतियों की नहीं बल्कि सीधे नस्लश्रेष्ठता की प्रवक्ता बन गई है। अमेरिकन ईगल जैसी कंपनियाँ इस विचारधारा को बाजार में चमकदार कागज में लपेटकर बेचती हैं, और दक्षिणपंथी राजनेता इसे वैचारिक वैधता देते हैं।

यूजेनिक्स की सूक्ष्म छाया अभी भी टिकी हुई है। मीडिया और विज्ञापनों में सुंदर, शुद्ध, आकर्षक गुणों को अभी भी 'अच्छे जनुक' के रूप में दिखाया जाता है। यूजेनिक्स आज नकार दी गई है, फिर भी उसके नीचे भेदभाव की जड़ें अभी भी समाज में हैं। गुड जींस ये आज सहज बोले जाने वाले शब्द हैं लेकिन उनके पीछे यूजेनिक्स के भयंकर वारिसे का इतिहास है। ये शब्द सहज, विनोदी या फैशनेबल मानकर स्वीकार किए गए तो वह भयंकर ऐतिहासिक वारिसा मिट जाएगा। आज भी यदि हम ऐसी भाषा को सहन करेंगे, तो कल वह फिर से भेदभाव, घृणा और हिंसा की राजनीति को समर्थन करेगी। कॉर्पोरेट लाभ और दक्षिणपंथी राजनीति मिलकर जब नस्लश्रेष्ठता की पुनर्रचना करते हैं, तो इससे उभरी भावनाएं लोगों के दिमाग पर छाप छोड़ती हैं। सौंदर्य, शुद्धता और श्रेष्ठता के मापदंडों को 'जींस' के रंग से जोड़ना मतलब अतीत के अपराधों को वर्तमान फैशन में पैक करके बेचना। यह केवल बाजार की गलती नहीं—यह समाज को अतीत की सबसे घातक विचारों की ओर ले जाने वाली बात है।

विज्ञान के नाम पर समाज को दी गई इस चालना ने नस्लवाद, विकलांगता-द्वेष, स्त्रीद्वेष, और सामाजिक अन्याय को वैज्ञानिक ढंग से आधिकारिकता दी। करोड़ों लोगों की जबरदस्ती नसबंदी की गई, अल्पसंख्यकों पर अमानुषिक क्रूरता हुई, और इस विचार ने नाजी नरसंहार को भी दार्शनिक आधार दिया। आज भी राजनीति या मीडिया में गुड जींस की बात आए, तो उसकी पृष्ठभूमि याद रखना आवश्यक है। विज्ञान का उपयोग मानवीय समानता के लिए होना चाहिए, भेदभाव या नस्लश्रेष्ठता के लिए नहीं। यूजेनिक्स का इतिहास इसी अतिभयानक खतरे की आभास कराता है। नीली जींस का यह विज्ञापन यूजेनिक्स के अवशेषों का उदाहरण है।

संपादकीय

आपदा में अवसर

रूसी कच्चा तेल खरीदने पर सबक सिखाने के मकसद से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थोपे गए पचास फीसदी टैरिफ कल से लागू हो गए। निस्संदेह, यह भारतीय आर्थिकी की सहनशक्ति हेतु अग्निपरीक्षा है। एक स्वतंत्र राष्ट्र के नाते भारत को अपनी संप्रभुता की रक्षा का अधिकार है। हमने दबाव में आए बिना चुनौती का मुकाबला किया है। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया का उद्घोष किया है। सरकार ने फ्री ट्रेड के नाम पर भारतीय बाजार में खाद्यान्न व दुग्ध उत्पाद खपाने के अमेरिकी मंसूबों पर पानी फेरा है। भारत ने स्पष्ट किया है कि भारत किसानों, दुग्ध उत्पादकों और लघु उद्योगों के हितों से किसी तरह का समझौता नहीं करेगा। इसके बावजूद आशंका है कि नये टैरिफ लगाने का कपड़ा, चमड़ा व रत्न-आभूषण जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ेगा। जिसके चलते लाखों भारतीयों के रोजगार पर खतरा मंडरा सकता है। निस्संदेह, पचास फीसदी टैरिफ लगाए जाने से भारतीय उत्पादों की लागत में काफी वृद्धि हो जाएगी, जिसके चलते वहां उपभोक्ता अन्य देशों के सस्ते उत्पाद तलाश सकते हैं। दरअसल, इन टैरिफों से भारत की दोहरी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिका न केवल भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है, बल्कि ऐसा साझेदार था, जिसके कारोबार का करीब 45 अरब डॉलर का अधिशेष भारत के पक्ष में था। वहीं दूसरे बड़े व्यापार साझेदार रूस व चीन के साथ हम व्यापार घाटे की स्थिति में हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से सस्ता तेल आयात कर भारत द्वारा अर्जित मौद्रिक लाभ को अमेरिका निशाने पर ले रहा है। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में भारत सरकार की तात्कालिक प्राथमिकताएं कपड़ा, चमड़ा और रत्न-आभूषण के लिये निर्यात खपाने वाले वैकल्पिक बाजारों की तलाश करना होना चाहिए। इसके अलावा प्रभावित व्यावसायों को वित्तीय सहायता प्रदान करके लाखों नौकरियों को बचाने की जरूरत है। साथ ही अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को पटरी पर लाने का प्रयास हो। दरअसल, भारतीय चिंता यह है कि नये टैरिफ से अमेरिका के साथ होने वाला 66 फीसदी निर्यात प्रभावित होने जा रहा है। ऐसी स्थिति में जब अमेरिका को होने वाले बीस फीसदी भारतीय निर्यात पर टैरिफ प्रभाव दिख रहा है,तो इसका असर भारतीय अर्थव्यस्था पर होना लाजिमी है। निर्यात में कमी आने से देश में बेरोजगारी बढ़ सकती है। चिंता की बात यह है कि टैरिफ से अधिक प्रभावित होने क्षेत्र सघन श्रम वाले हैं, जिससे लाखों रोजगारों पर असुरक्षा की तलवार लटक सकती है। स्थिति साफ है कि भारतीय उद्योग इस टैरिफ के बोझ को सहन करने की क्षमता नहीं रखते। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के टैरिफ युद्ध से यूरोप समेत दूसरे देश भी खासे प्रभावित हैं। उत्पादों का अतिरेक पैदा होने से कीमतों में गिरावट आ सकती है और अन्य देश भी टैरिफ लगाने को बाध्य हो सकते हैं। वहीं चीन आदि सस्ते उत्पाद बेचने वाले देशों से हमारी स्पर्धा बढ़ सकती है। वहीं टैरिफ वॉर तथा रूस-यूक्रेन युद्ध व मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से वैश्विक आर्थिक अस्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत में नये निवेश की संभावनाएं भी कम होंगी। जो भारतीय आर्थिकी की मुश्किल बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। हालांकि, प्रधानमंत्री सुधार, प्रदर्शन और बदलाव बढ़ाने का आह्वान कर रहे हैं, लेकिन भारत में बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधारों की जरूरत है। हालांकि,मोदी सरकार ने जीएसटी सुधारों की बात की है, लेकिन इससे आगे बढ़कर बड़े व तत्काल सुधारों की जरूरत है। आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों को आर्थिक सुधारों से ही गति मिल सकती है।

ध्यानचंद की हॉकी स्टिक में था 'जादू'!

(लेखक – योगेश कुमार गोयल)

(राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त) पर विशेष)

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को 'खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान् खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे। सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। उनकी हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था। 1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए।

दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरूबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए। उसी वर्ष उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्ति के बाद वे माउंट आबू में हॉकी कोच के रूप में कार्यरत रहे और बाद में कई वर्षों तक पाटियाला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में चीफ हॉकी कोच बन गए। 3 दिसम्बर 1979 को उन्होंने दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली। अपने कैरियर में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ एक हजार से भी ज्यादा गोल दागे। भारत सरकार द्वारा मेजर ध्यानचंद के सम्मान में वर्ष 2002 में नेशनल स्टेडियम का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम कर दिया गया। ध्यानचंद इतने महान हॉकी खिलाड़ी थे कि वियना के स्पोर्ट्स क्लब में उनकी चार हाथों में चार हॉकी स्टिक लिए एक मूर्ति लगाई गई है और उन्हें एक देवता के रूप में दर्शाया गया है। भारत में उनके जन्मदिन को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' घोषित किया गया है और इसी दिन विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है। इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है।

व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है। जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

विचार मंथन

अदाणी- अंबानी ओर मोदी ट्रंप के वर्चस्व में फंसा भारत

(लेखक- सनत जैन/ ईएमएस)

– कॉर्पोरेट वार का असर राजनीति एवं व्यापार में भारत की राजनीति और कॉर्पोरेट जगत का रिश्ता हमेशा से चर्चा का विषय रहा है। उद्योगपतियों और सत्ता के बीच के समीकरणों ने कई बार सरकार की नीतियों को प्रभावित किया है। मौजूदा दौर में यह रिश्ता केवल व्यापारिक एवं राजनीतिक समीकरणों तक सीमित नहीं रहा। बल्कि सीधी टकराहट की शक्ल लेता हुआ दिख रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा वंतारा जू मामले में एसआईटी का गठन और उसमें वित्तीय व कानूनी अनियमितताओं की जांच का जो आदेश दिया है उसके बाद यह टकराव सतह पर आ गया है। अनिल अंबानी के घर और कार्यालयों में ईडी और सीबीआई के छापे वर्चस्व की लड़ाई के रूप में देखे जा रहे है। मुकेश अंबानी का नाम भारत में सबसे प्रभावशाली कॉर्पोरेट घराने के रूप में लिया जाता है। यह भी कहा जाता है, 2012 में मुकेश अंबानी के कारण ही भारत के राजनीति की दिशा बदली। प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी का नाम सामने आया। उस समय कॉरपोरेट जगत और अमेरिका ने वैश्विक व्यापार संधि को लेकर जो अवरोध भारत में बने थे। उसको ठीक करने के लिए अमेरिका की सरपरस्ती और रिलायंस की ताकत के बल पर 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। रिलायंस समूह दूरसंचार से लेकर पेट्रोलियम और रिटेल तक हर क्षेत्र में फेला हुआ है। जब अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा थे उसे समय मुकेश अंबानी का व्यापार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तेजी के साथ फैला था। मुकेश अंबानी और रिलायंस समूह की राजनीतिक प्रशासनिक एवं न्यायपालिका से नजदीकियां हमेशा सुर्खियों में रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार रिलायंस के मंच पर पंहुचे। जियो लॉन्च से लेकर अस्पताल उद्घाटन के कार्यक्रम में मोदी पहुंचे। अब तस्वीर तेजी के साथ बदल रही है। अदालत के हस्तक्षेप और जांच एजेंसियों की सक्रियता ने संकेत दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुकेश अंबानी के संबंध इन दिनों ठीक नहीं चल रहे हैं। कॉर्पोरेट ताकत पर सियासी नियंत्रण का दौर शुरू हो गया है। इसके पीछे जो मुख्य कारण बताया जा रहा है उसमें ट्रंप के नजदीकी सलाहकार के रूप में मुकेश अंबानी ने अपनी भूमिका तय कर ली है वहीं गौतम अडानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफी नजदीक हैं। टैरिफ बार को लेकर ट्रंप और मोदी जी के बीच में जो तनातनी चल रही थी। उसमें मोदी जी को शायद लगता था, मुकेश अंबानी उनकी मदद करेंगे। लेकिन मुकेश तटस्थ रहे, यह तटस्थता गौतम अडानी को लेकर थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में जिस तरह से गौतम अडानी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर तरह का समर्थन दिया है। उसके बाद से ही रिलायंस समूह की दूरियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दिखने लगी थी। अडानी समूह, रिलायंस समूह से आगे निकलने की दौड़ में आ गया था। दरअसल, यह टकराव महज व्यापारिक, कानूनी या प्रशासनिक नहीं है। इसके पीछे राजनीति की भी बड़ी मजबूरियां हैं। विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है, सत्ता और कॉर्पोरेट का गठजोड़ भारत के लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। ऐसे समय यदि सत्ता ही कॉर्पोरेट को कठघरे में खड़ा करने लगेगी। इससे यह संदेश जाता है, कि सरकार अब कॉरपोरेट से अपनी दूरी बनाकर पल्ला झाड़ना चाहती है। अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में इस संघर्ष को नया आयाम मिला है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान सस्ते तेल से रिलायंस को हुए मुनाफे पर वैश्विक स्तर पर अमेरिका ने चुप्पी साध रखी है। वही अडानी सहित भारत की अन्य कंपनियों पर अमेरिका ने टैरिफ और प्रतिबंध लगाए हैं। यूरोप की अन्य एजेंसियां भी तेल के कारोबार और मुनाफे पर नजर गड़ाए हुए हैं। भारत सरकार पर दबाव है, वह खुद को वैश्विक मंच पर पारदर्शी रखे। मुकेश अंबानी की ट्रंप के साथ विगत महीनो में नजदीकियां काफी बढ़ गई है। ट्रंप भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी पर शिकंजा कस रहे हैं। टैरिफ के जरिए भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में रिलायंस जैसी बड़ी कंपनी पर सरकार द्वारा जो कार्रवाई की जा रही है। उसे वर्तमान सत्ता की मजबूरी और रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। सबसे अहम सवाल यह है, क्या कॉर्पोरेट साम्राज्य वाकई सत्ता को चुनौती देने की स्थिति में है। सत्ता क्या कॉर्पोरेट जगत को सीमाओं में बांधने की स्थिति में है? भारत की राजनीति पिछले 2 दशकों से पूंजी और कारपोरेट के गठजोड़ पर टिकी है। पहली बार यह गठजोड़ डगमगाता हुआ नजर आ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार 12 सितंबर तक वन्य तारा की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाना है। सुप्रीम कोर्ट में 15 सितंबर को इस मामले की अदालत में सुनवाई की तारीख निश्चित है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला तय करेगा, यह टकराव केवल प्रतीकात्मक है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1 साल में 8 फ़ीसदी बढी सीमेंट की कीमतें

मुंबई । पिछले 1 साल में सीमेंट की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। अभी तक लगभग 8 फ़ीसदी दाम सीमेंट के बढ़ चुके हैं। मई 2025 में सीमेंट की औसत कीमत 360 रुपए प्रति बोरी थी। ईंधन और जिप्सम के दाम लगातार बढ़ने से सीमेंट के दामों में लगातार वृद्धि होती रही है। पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा सीमेंट के रेट बढे हैं। भारत में सीमेंट की मांग लगातार बढ़ रही है। पिछले 1 वर्ष में 9 फ़ीसदी सीमेंट की मांग बढ़ी है। मांग बढने के कारण सीमेंट की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है।

पावर मेक प्रोजेक्ट को महान इनर्जी से बड़ा ऑर्डर मिला

नई दिल्ली । पावर मेक प्रोजेक्ट लिमिटेड को महान इनर्जी लिमिटेड से 370.84 करोड़ रुपए का ठेका प्राप्त हुआ है। यह कार्य सिंगरौली, मध्य प्रदेश स्थित महान फेस- (2×800 एमडब्ल्यू) थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए है। ऑर्डर में बीटीजी यूनिट 1 और 2 के लिए सिविल कार्य और प्रीफैब्रिकेटेड स्ट्रक्चरल स्टील निर्माण शामिल है। महान इनर्जी लिमिटेड जो पहले एस्सार पावर एमपी के नाम से जानी जाती थी, अब अडानी पावर की एक सहायक कंपनी है। इस परियोजना में मुख्य पावरहाउस, सेंट्रल कंट्रोल बिल्डिंग, ईएसपी, एफजीडी लाइमस्टोन हैंडलिंग सिस्टम, स्विच यार्ड आदि का निर्माण किया जाएगा। यह ऑर्डर घरेलू परियोजना के तहत आता है और पावर मेक प्रोजेक्ट के लिए यह एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक उपलब्धि मानी जा रही है। इससे कंपनी की ऑर्डर बुक मजबूत होगी और भविष्य की परियोजनाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे।

लेखा परीक्षकों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने पर एनएफआरए का जोर

नई दिल्ली । एनएफआरए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि कंपनियों की लेखापरीक्षा समितियों को लेखा परीक्षकों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करनी चाहिए। यह कदम सुदृढ़ वित्तीय रिपोर्टिंग और पारदर्शिता के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बाहरी लेखा परीक्षकों की भूमिका वित्तीय विश्वास और सटीकता बनाए रखने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने आंतरिक नियंत्रण और जोखिम प्रबंधन प्रणाली को भी मजबूत बनाने पर ज़ोर दिया, जो कॉर्पोरेट कामकाज के अच्छे तरीकों का हिस्सा होनी चाहिए। यह बातें उन्होंने फिक्की द्वारा आयोजित सम्मेलन 'चुस्त प्रशासन- पारदर्शिता को बढ़ावा देना एवं विश्वास का निर्माण' में कही। उनका मानना है कि लेखा परीक्षा समितियों की सक्रिय भूमिका से वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा।

सोने की कीमतों में गिरावट, चांदी की कीमतें बढ़ीं

10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,01,398, चांदी 1,16,450 पर प्रति किलो

नई दिल्ली । सोने की कीमतों में गुरुवार को 0.14 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,398 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। साल की शुरुआत से लेकर अब तक सोने की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है। 1 जनवरी 2025 को सोने का भाव 76,162 था, जो अब बढ़कर लगभग 1,00,884 तक पहुंच चुका है। इस साल सोने की कीमतों में कुल मिलाकर लगभग 24,722 की बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल भी सोने की कीमतों में लगभग 12,810 की वृद्धि दर्ज हुई थी। वहीं वहीं चांदी की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। आज 1 किलो चांदी का भाव 1,16,450 पर पहुंच गया है। इस साल 1 जनवरी से अब तक चांदी की कीमतों में 29,853 की बढ़ोतरी हुई है। चांदी का भाव 1 जनवरी को 86,017 प्रति किलो था, जो अब 1,15,870 के करीब पहुंच चुका है। गोल्ड ज्वेलरी खरीदते समय हमेशा यह ध्यान रखें कि वह बीआईएस (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड) का प्रमाणित हो। बीआईएस हॉलमार्क वाला सोना ही खरीदा जाना चाहिए, जिसमें 6 अंकों का यूनिक हॉलमार्क कोड मौजूद होता है। यह कोड अल्फान्यूमेरिक होता है और यह सोने की शुद्धता और कैरेट की पुष्टि करता है। हॉलमार्किंग से उपभोक्ता को यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि खरीदा गया सोना असली और उच्च गुणवत्ता वाला है।

कच्चा तेल सस्ता, कंपनियों का मुनाफा बंपर, लेकिन उपभोक्ताओं को राहत नहीं

- मार्च से तेल कीमतों में गिरावट, फिर भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली । बीते कुछ महीनों से कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली है, लेकिन इसका फायदा अब तक आम जनता को नहीं मिल पाया है। मार्च 2025 से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना हुआ है। वहीं भारत को रूस से और 5 फीसदी अतिरिक्त छूट भी मिल रही है, जिससे आयातित तेल की कीमत में और गिरावट आ गई है। इसके बावजूद देश की तीन प्रमुख सरकारी तेल कंपनियां–इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें घटाने से बच रही हैं। इन कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में कुल 16,184 करोड़ का मुनाफा कमाया, जो बीते वर्ष की तुलना में ढाई गुना ज्यादा है।

इस अवधि में बीपीसीएल को सबसे अधिक 6,124 करोड़ का लाभ हुआ, जबकि आईओसी ने 5,689 करोड़ और एचपीसीएल ने 4,371 करोड़ कमाए। मौजूदा समय में कंपनियां पेट्रोल पर प्रति लीटर 11.20 रुपए और डीजल पर 8.10 रुपए का विपणन मार्जिन कमा रही हैं, जो विश्लेषकों के अनुसार सामान्य से कहीं अधिक है। हालांकि सरकार ने अप्रैल में उत्पाद शुल्क 2 प्रति लीटर बढ़ाया था, पर खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ क्योंकि यह बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय गिरावट से समायोजित कर दी गई थी। वहीं एलपीजी पर भारी सब्सिडी के बावजूद कंपनियों का लाभ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिक डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.60 पर बंद हुआ। वह गत कारोबारी दिवस मंगलवार को रुपया 87.69 पर बंद हूआ था। वहीं बुधवार को गणेश चतुर्थी के कारण बाजार बंद था। इससे पहले आज सुबह के कारोबारी दिन डॉलर के मुकाबले 10 पैसे मजबूत होकर 87.59 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कमजोर अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपये को सर्वकालिक निचले स्तर से नीचे गिरने से बचाने के लिए बाजार में हस्तक्षेप किया, जिससे रुपया और समर्थन पाया। हालांकि, अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लागू करने और कमजोर घरेलू शेयर बाजार की वजह से रुपये की तेजी सीमित रही। गुरुवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.56 पर खुला और बाद में 87.59 पर पहुंच गया। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि आरबीआई का कदम रुपये को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण रहा।

राकेश गंगवाल ने ब्रिकी किए शेयर.....इंटरग्लोब एविएशन के शेयर 4 प्रतिशत तक गिरा

मुंबई । इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयर गुरुवार को 4 प्रतिशत से अधिक गिरे। इसका कारण प्रमोटर राकेश गंगवाल की ओर से ब्लॉक डील के द्वारा 7,000 करोड़ से अधिक के शेयर बेचना है। इंटरग्लोब एविएशन का शेयर 4.84 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,757.50 रुपए पर कारोबार कर रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रमोटर की ओर से 7,085 करोड़ रुपए मूल्य के 1.2 लाख शेयर 5,830 रुपए प्रति शेयर की औसत कीमत पर ब्रिकी किए गए हैं। इसके पहले रिपोर्ट्स में दावा किया था कि गंगवाल परिवार ब्लॉक डील के द्वारा से इंटरग्लोब एविएशन में 3.1 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने की योजना पर विचार कर रहा है, जिसकी वैल्यू करीब 7,020 करोड़ रुपए है। इस ब्लॉक डील के लिए फ्लोर प्राइस 5,808 रुपए प्रति शेयर रहा, जो पिछले सत्र के बंद भाव से करीब 4 प्रतिशत कम है। फरवरी 2022 में गंगवाल के बोर्ड छोड़ने के बाद से वे एयरलाइन में अपनी हिस्सेदारी कम कर रहे हैं। उन्होंने अब तक कंपनी में करीब 9 प्रतिशत की हिस्सेदारी बेच दी है। इंटरग्लोब एविएशन में अपनी हिस्सेदारी कम करके, गंगवाल और उनके परिवार ने 2022 से अब तक 45,300 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसके पहले, गंगवाल परिवार ने सितंबर 2022 में 2,005 करोड़ रुपए में 2.74 प्रतिशत हिस्सेदारी, फरवरी 2023 में उनकी पत्नी शोभा गंगवाल ने 2,944 करोड़ रुपए में 4 प्रतिशत और अगस्त 2023 में 2,800 करोड़ रुपए में 2.9 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची थी। इंडिगो ने हाल ही में वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में आय में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद में मुनाफा में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की थी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 706 , निफ्टी 211अंक गिरा

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका की डोनाल्ड ट्रंप सरकार का टैरिफ लागू करना गिरावट का सबसे बड़ा कारण रहा क्योंकि इससे बाजार पर दबाव पड़ा है। उससे भी बाजार गिरा है। दिन भर के कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 705.97 अंक टूटकर 80,080.57 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.15 अंक फिसलकर 24,500.90 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 718.70 अंक की गिरावट के साथ ही 56,047.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 254.25 अंक की कमी के के साथ ही 17,294.35 पर आ गया । बाजार में आई गिरावट का कारण आईटी और रियल्टी शेयरों में आई कमजोरी रही। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.59 फीसदी और निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 1.50 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा पीएसयू बैंक, एफएमसीजी,

प्राइवेट बैंक और सर्विसेज इंडेक्स एक फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में टाइटन, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं एचसीएल टेक, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, टाटा स्टील और ट्रेंट के शेयर सबसे अधिक गिरे। बीएसई पर 1,458 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान जबकि 2,651 शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए जबकि 149 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। जानकारों के अनुसार भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के टैरिफ लगाने के बाद निवेशकों के उससे दूर होने से बाजार में गिराट आई। वहीं कुछ उत्पादों पर टैरिफ नहीं लगने से बाजार में कुछ हद तक रिकवरी भी हुई।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 620 अंक टूटकर 80,162 पर और निफ्टी 180.85 अंक नीचे आकर 24,528 पर खुला था। इस गिरावट से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर भी करीब 4.14 लाख करोड़ रुपए घटकर 445.80 लाख करोड़ रुपए रह गया। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक के शेयर सबसे ज्यादा फिसले। दुनिया भर के बाजारों में भी मिला-जुला रुख रहा। जहां अमेरिका के एसएंडपी 500 और डाउ जोंस बढ़त के साथ बंद हुए, वहीं एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हुआ।

सीमलेस पाइप उद्योग ने चीनी पाइप आयात पर अंकुश लगाने सरकार से की मांग

नई दिल्ली ।

सीमलेस ट्यूब मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसटीएमएआई) ने सरकार से घरेलू सीमलेस पाइप उद्योग की सुरक्षा के लिए चीन से आने वाले कम लागत वाले पाइपों के आयात पर सख्त रोक लगाने का आग्रह किया है। एसटीएमएआई का कहना है कि देश में सीमलेस पाइप और ट्यूब की उत्पादन क्षमता घरेलू मांग से कहीं अधिक है, इसलिए आयात को नियंत्रित करना जरूरी है ताकि स्थानीय उद्योगों को बचाया जा सके। एसटीएमएआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि भारत में सीमलेस पाइप एवं ट्यूब की स्थापित उत्पादन क्षमता लगभग 19.5 लाख मीट्रिक टन है, जबकि देश की कुल मांग लगभग 13.2 लाख मीट्रिक टन है।

यह स्पष्ट करता है कि घरेलू उत्पादन मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। हालांकि सरकार की सुरक्षा नीतियों के बावजूद पिछले 3-4 वर्षों में चीन से सीमलेस पाइप के आयात में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि चीन से आयात करने वाले आयातक सीमा शुल्क निकासी के समय अधिक मूल्य दिखाते हैं, लेकिन बाद में वे भारतीय बाजार में इन उत्पादों को

घरेलू निर्माताओं की तुलना में काफी कम कीमत पर बेच रहे हैं। इससे घरेलू उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है।

घरेलू पाइप उद्योग ने ऑक्सीजन सिलेंडर पाइप, ड्रिल पाइप सहित कई महत्वपूर्ण उत्पादों के लिए भारी निवेश किया है। इसके बावजूद घरेलू उद्योग ठेके प्राप्त करने में संघर्ष कर रहा है और उत्पादन क्षमता पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हो पा रही है। एसटीएमएआई सरकार से आग्रह करता है कि चीन से सस्ते पाइप के आयात पर रोक लगाकर घरेलू उद्योग को प्रोत्साहित किया जाए।

विल्मर ने अदाणी समूह से एडब्ल्यूएल में हिस्सेदारी बढ़ाने सीसीआई से मंजूरी मांगी

नई दिल्ली ।

सिंगापुर की कृषि कंपनी विल्मर इंटरनेशनल ने अपनी इकाई लेंस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले अदाणी अडानी समूह से एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी मांगी है। यह प्रस्ताव पिछले महीने 7,150 करोड़ रुपये में हुआ अधिग्रहण करने की घोषणा के बाद आया है।वर्तमान में, विल्मर के पास लेंस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में लगभग 43.94 प्रतिशत हिस्सेदारी है। प्रस्तावित अधिग्रहण के बाद यह हिस्सेदारी बढ़कर 54.94 से 63.94 प्रतिशत के बीच हो जाएगी। इससे विल्मर इस कंपनी का बहुमत मालिक बन जाएगा। सीसीआई में दाखिल किए गए नोटिस के अनुसार अधिग्रहणकर्ता लेंस प्राइवेट लिमिटेड ने लक्ष्य कंपनी की चुकता शेयर पूंजी का न्यूनतम 11 प्रतिशत और अधिकतम 20 प्रतिशत अधिग्रहित करने का प्रस्ताव रखा है। इस अधिग्रहण के लिए सीसीआई की मंजूरी जरूरी है ताकि प्रतिस्पर्धा पर इसका प्रभाव आकलित किया जा सके।

जीएसटी में सुधार.....अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करेगा

रेटिंग एजेंसी की सहायक कंपनी का अनुमान

मुंबई । रेटिंग एजेंसी फिच सॉल्यूशंस की सहायक कंपनी बीएमआई ने कहा कि आगामी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार, जिनका उद्देश्य दरों में कटौती और निजी खपत को बढ़ावा देना है, अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करेगा। साथ ही, कंपनी ने कहा कि भारत इस दशक में एशिया में सबसे तेजी से बढ़ती उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। बीएमआई के अनुसार, भारत की जीडीपी 6 प्रतिशत से ऊपर बने रहने का अनुमान है, भले ही अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ कुछ उद्योगों को प्रभावित कर रहे हों। बीएमआई ने कहा, हमारा अनुमान है कि दशक के अंत तक भारतीय आर्थिक वृद्धि दर धीरे-धीरे धीमी होकर 6.0 प्रतिशत से थोड़ी अधिक होगी, जो 2010-2019 के महामारी-पूर्व औसत 6.5 प्रतिशत से थोड़ा कम है, फिर भी भारत एशिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहेगा। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि आने वाले दशक में उत्पादकता में करीब 5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जिससे जीडीपी वृद्धि को पर्याप्त गति मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार हमने अपने पहले अुनमान में बताया था कि रेसिप्रोकल टैरिफमें 25 प्रतिशत की वृद्धि वित्त वर्ष 2025/26 (अप्रैल-मार्च) और वित्त वर्ष 2026/27 में रियल जीडीपी वृद्धि को 0.2 प्रतिशत और धीमा कर देगी। इसलिए, हमने अपने पूर्वानुमानों को तदनुसार संशोधित किया है और अब उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025/26 में अर्थव्यवस्था 5.8 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026/27 में 5.4 प्रतिशत बढ़ेगी। मोदी सरकार के द्वारा किए जा रहे जीएसटी सुधारों पर बीएमआई ने कहा, जीएसटी सुधार टैरिफसे विकास पर पड़ने वाले दबाव को कम कर सकता है। क्योंकि डिटेल्स की अभी पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए हम जीएसटी सुधार को फिलहाल हमारे विकास पूर्वानुमान के लिए एक मामूली वृद्धि जोखिम के रूप में देखते हैं। दो-स्लैब टैक्स स्ट्रक्चर के आगामी जीएसटी स्लैब रेशनलाइजेशन से ऑटोमोबाइल, वित्तीय सर्विस, सीमेंट और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे क्षेत्रों में खपत बढ़ने और लाभप्रदता में सुधार होने की उम्मीद है। वहीं एसबीआई रिसर्च की नई रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी सुधारों और हाल ही में आयकर में की गई कटौती से उपभोग में 5.31 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि हो सकती है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के करीब 1.6 प्रतिशत के बराबर है।

प्रधानमंत्री मोदी जापान जाएंगे, सेमीकंडक्टर, निवेश और मेक इन इंडिया पर होगा फोकस

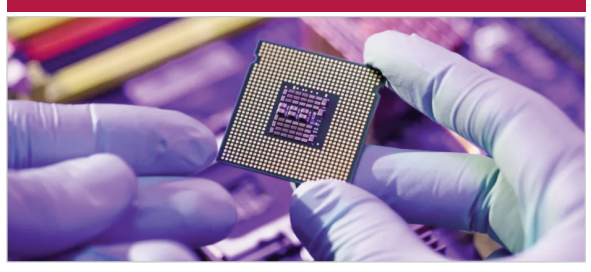

मोदी जापान के शीर्ष अधिकारियों से भारत में निवेश के नए अवसरों पर चर्चा करेंगे

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार शाम जापान की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। 29-30 अगस्त को होने वाली इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत की 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल को बढ़ावा देना और जापान के साथ आर्थिक-तकनीकी साझेदारी को मजबूत करना है। यात्रा के दौरान पीएम मोदी सोनी, हिताची, निप्पॉन और नोमूरा जैसी प्रमुख जापानी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मिलेंगे और भारत में निवेश के नए अवसरों पर चर्चा करेंगे। मोदी और जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा मिलकर बुलेट ट्रेन से सेंडाई तक यात्रा करेंगे, जहां वे सेमीकंडक्टर निर्माता टोक्यो इलेक्ट्रॉन लिमिटेड के प्लांट का दौरा करेंगे। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी जापान के कुछ प्रांतों के गवर्नरों से भी मिलेंगे ताकि भारतीय राज्यों और जापानी प्रांतों के बीच साझेदारी को और मजबूती मिल सके। भारत में जापानी कंपनियों की संख्या फिलहाल 1,400 है, जिनमें से आधी विनिर्माण क्षेत्र में सक्रिय हैं। विदेश सचिव के अनुसार हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच तकनीकी, आर्थिक और राजनयिक संबंध और गहरे हुए हैं। 2018 के बाद यह मोदी की पहली द्विपक्षीय जापान यात्रा है और कुल मिलाकर यह उनकी आठवीं जापान यात्रा है।

अब तक 170 से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हो चुके हैं, जिनमें करीब 13 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है। यह यात्रा भारत-जापान रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाएगी।

रघुराम राजन ने अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ को बताया गंभीर

- आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा, व्यापार में विविधता और आत्मनिर्भरता जरूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और जाने-माने अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को गंभीर चिंता बताया है। अमेरिका ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जिससे भारत से अमेरिका निर्यातित वस्तुओं पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। राजन ने इसे वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में व्यापार और निवेश के हथियार बन जाने की दिशा में एक गंभीर संकेत माना है। राजन ने कहा कि भारत को किसी एक देश पर निर्भरता कम करनी होगी। उन्होंने पूर्वी देशों, यूरोप और अफ्रीका जैसे अन्य बाजारों की ओर देखने और व्यापार के विकल्प बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें आत्मनिर्भरता के साथ-साथ विकल्पों की व्यवस्था भी करनी चाहिए ताकि संकट के समय निर्भरता कम रहे। रघुराम राजन ने रूस से तेल आयात नीति की समीक्षा करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि यह देखना होगा कि इससे किसे लाभ और किसे नुकसान हो रहा है। रिफाइनर इस मामले में भारी मुनाफा कमा रहे हैं, जबकि निर्यातक टैरिफ के बोझ तले दब रहे हैं। अगर लाभ कम है तो भारत को इस नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापार में आसानी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ बेहतर एकीकरण और घरेलू कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए संरचनात्मक सुधार आवश्यक हैं। इस टैरिफ का खास असर झींगा किसानों और कपड़ा निर्माताओं जैसे छोटे निर्यातकों की आजीविका पर पड़ सकता है। राजन ने कहा कि भारत को इस संकट को अवसर के रूप में देखना चाहिए। वैश्विक रिश्तों में विविधता और संतुलन बनाकर ही देश आर्थिक चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर पाएगा।

सरकार ने कपास के शुल्क मुक्त आयात की अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कपास के आयात पर शुल्क मुक्त अवधि तीन महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर 2025 तक कर दी है। इससे पहले यह अवधि 30 सितंबर तक थी। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को इस फैसले की घोषणा की है।

इसका उद्देश्य अमेरिकी बाजार में 50 प्रतिशत उच्च टैरिफ का सामना कर रहे कपड़ा निर्यातकों को राहत प्रदान करना है। सरकार ने 5 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क, 5 प्रतिशत कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर, और 10 प्रतिशत सामाजिक कल्याण अधिभार समेत कुल 11 प्रतिशत आयात शुल्क से छूट दी है। इस निर्णय से कपड़ा क्षेत्र में कच्चे माल की लागत में कमी आएगी, जिससे उत्पादन सस्ता होगा।

कपड़ा, धागा, परिधान और सिले हुए उत्पादों सहित पूरे कपड़ा वैल्यू चेन को इसका लाभ मिलेगा। घरेलू बाजार में कपास की उपलब्धता बढ़ने से कपास की कीमतों में स्थिरता आएगी और तैयार वस्त्रों की महंगाई पर दबाव कम होगा।

अमेरिका द्वारा भारत के कपड़ा, रत्न-आभूषण और चमड़ा उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद यह कदम निर्यातकों के लिए राहत साबित होगा। इससे लघु एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) को संरक्षण मिलेगा और भारतीय कपड़ा उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में मजबूती आएगी। सरकार का यह निर्णय कपड़ा उद्योग को वैश्विक बाजार में टिकाऊ बनाए रखने और निर्यात को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उद्योग जगत ने इस निर्णय का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे उत्पादन लागत कम होकर व्यवसाय बढ़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गिल, जुरेल, ईश्वरन दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से बाहर, इन प्लेयर्स को मिला कप्तानी का मौका

बेंगलुरु(एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल 2025-26 सीजन के पहले दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ नहीं खेल पाए, जो गुरुवार को BCCI के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू हुई। उत्तर क्षेत्र की टीम के कप्तान बनाए गए गिल से पहले मैच में कप्तानी करने की उम्मीद थी, लेकिन बीमारी के कारण उन्हें बाहर बैठना पड़ा। 9 सितंबर से अबू धाबी में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए रवाना होने से पहले उनके इस सप्ताह के अंत में बेंगलुरु पहुंचने की संभावना है।

गिल की अनुपस्थिति में हरियाणा के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अंकित कुमार ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली, जबकि सर्विसेज के बल्लेबाज शुभम रोहिल्ला ने उनकी जगह अंतिम एकादश में जगह बनाई। उत्तर क्षेत्र की टीम में एशिया कप के लिए जाने वाले दो अन्य खिलाड़ी हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं, जो मैच में बाद में गेंदबाजी करेंगे।

सेंट्रल जोन के खेमे को एक और झटका लगा, जहां उनके नियुक्त कप्तान, विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल कमर में दर्द की शिकायत के बाद नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए। रजत पाटीदार, जिन्हें पहले उप-कप्तान बनाया गया था, अब टीम की कमान संभाल रहे हैं। सेंट्रल जोन की प्लेइंग इलेवन में तेज गेंदबाज खलील अहमद और दीपक चाहर के साथ-साथ बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी शामिल हैं।

ईस्ट जोन को भी झटका लगा जब नियमित कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन बुखार के कारण मैच से बाहर हो गए। उनकी जगह, ऑलराउंडर रियान पराग टूर्नामेंट के पहले मैच में टीम की कप्तानी कर रहे हैं। गिल घरेलू सीजन में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में भारत का नेतृत्व किया था, जहां उन्होंने 5 मैचों में 75.40 की औसत से 754 रन बनाए थे। उन्हें आगामी एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम का उप-कप्तान भी बनाया गया है। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल 4 सितंबर से और फाइनल 11 सितंबर से एक ही स्थान पर होगा।

भारत को एशिया कप में पाकिस्तान से खेलना चाहिए? मोहम्मद शमी ने दिया सीधा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट एशिया कप 2025 के अब कुछ ही दिन बचे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर बोर्ड की स्थिति स्पष्ट है लेकिन बड़ा वर्ग चाहता है कि ये मैच ना हो खासकर कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद। टीम का हिस्सा नहीं होने के बावजूद मोहम्मद शमी अपने घर से सूर्यकुमार यादव की टीम पर नजर रखेंगे और उन्होंने भारत-पाक मैच को लेकर अपने भाव व्यक्त किए हैं।

एक मीडिया हाउस से बातचीत में शमी ने कहा, 'मैं विवादों से दूर रहता हूं। सरकार और बोर्ड फैसला करते हैं और हम उसका पालन करते हैं।' यह पूछे जाने पर कि क्या अन्य टीमों की तुलना में पाकिस्तान के खिलाफ खेलना अलग है, या इसे किसी अन्य खेल की तरह ही माना जाता है, शमी ने कहा कि यह वास्तव में अलग है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के खिलाफ खेलना प्रशंसकों के जुनून के कारण अलग है, लेकिन खिलाड़ियों के लिए यह प्रदर्शन करने के बारे में है।'

शमी से पाकिस्तान के खिलाफ खेलते समय स्लेजिंग की संभावित घटनाओं के बारे में भी पूछा गया, उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसी किसी घटना का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'किसी ने नहीं। मैं सिर्फ एक बार टेस्ट मैच में नाराज हुआ था जब कोई समय बर्बाद कर रहा था। मैंने उन्हें अपना खेल खेलने के लिए कहा। यही मेरी आक्रामकता है।'

दलीप ट्रॉफी - दानिश मालेवार और रजत पाटीदार के शतक, मध्य क्षेत्र की मजबूत शुरुआत

बेंगलुरु (एजेंसी)। विदर्भ के रणजी ट्रॉफी नायक दानिश मालेवार और अनुभवी रजत पाटीदार ने शतक जमाकर गुरुवार को यहां उत्तर पूर्व क्षेत्र के कमजोर आक्रमण की धज्जियां उड़ा दी जिससे मध्य क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के पहले दिन बारिश के कारण खेल रोके जाने से पहले 77 ओवर में दो विकेट पर 432 रन बना लिए।

पिछले सत्र में रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक लगाने वाले 21 वर्षीय मालेवार ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और दिन का खेल समाप्त होने के समय वह 198 रन बनाकर खेल रहे थे। RCB के IPL विजेता कप्तान पाटीदार ने 96 गेंदों पर 125 रन की पारी खेली।

मालेवार ने अब तक अपनी पारी में एक छक्का और 35 चौके लगाए हैं, जबकि पाटीदार ने 21 चौके और तीन छक्के लगाए। मालेवार और पाटीदार ने तब मोर्चा संभाला जब सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल (नाबाद 60) को पेट में गेंद लगने के कारण रिटायर हर्ट होना पड़ा। मालेवार ने चौका लगाकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना तीसरा शतक पूरा किया।

दूसरी तरफ पाटीदार ने शानदार कवर ड्राइव से अपना 14वां प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। वह तेज गेंदबाज फीरोइजम जोतिन की गेंद पर स्वीप करने के प्रयास में डीप स्क्वायर लेग बाउंड्री पर अंकुर मलिक को कैच देकर पवेलियन लौटे। पाटीदार के आउट होने के बाद मालेवार और उनके रणजी साथी यश राठौड़ ने तीसरे विकेट के लिए 85 रन की अटूट साझेदारी की। जब बारिश के कारण खेल रुका तब राठौड़ 32 रन बनाकर खेल रहे थे।

ऑलराउंडर विजय शंकर अब तमिलनाडु से नहीं खेलेंगे

चेन्नई (एजेंसी)। ऑलराउंडर विजय शंकर अब आने वाले घरेलू सत्र 2025-26 में तमिलनाडु की ओर से नहीं खेलेंगे। विजय शंकर ने राज्य की टीम छोड़ने की जानकारी तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन (टीएनसीए) को देते हुए नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (अनापत्ति प्रमाण पत्र) मांगा था जो उन्हें दे दिया गया है। इस क्रिकेटर ने बुची बाबू टूर्नामेंट में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मैच में खेला था पर महाराष्ट्र के खिलाफ दूसरे मैच में शामिल नहीं किये जाने से नाराज होकर इस क्रिकेटर ने टीम छोड़ने का फैसला कर लिया हालांकि इस क्रिकेटर का कहना है कि उसने बेहतर अवसरों के लिए ये टीम छोड़ी है। अब माना जा रहा है कि ये ऑलराउंडर किसी और राज्य से खेलेगा।

विजय शंकर ने ये फैसला अचानक ही नहीं लिया है। 2024-25 के घरेलू सत्र में भी उसे रणजी ट्रॉफी में पहले दो मैच

ही खेलने को मिले थे। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के अधिकतर मुकाबलों में उसे अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। जिसके बाद से ही वह दूसरी टीम से खेलने की सोचने लगे थे। इस फैसले के साथ तमिलनाडु के साथ शंकर का एक दशक से अधिक समय का साथ समाप्त हो गया। उनकी कप्तानी में टीम ने विजय हजारे, देवधर और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी।

दिसंबर 2012 में रणजी ट्रॉफी डेब्यू के बाद उन्हें मध्य क्रम में एस बद्रीनाथ की जगह मिली थी। इस खिलाड़ी ने तमिलनाडु के लिए रणजी ट्रॉफी की 81 पारियों में 44.25 की औसत से 3142 रन बनाए जिसमें 11 शतक और 16 अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने अपनी मध्यम गति की तेज गेंदबाजी से 53.93 की औसत से 43 विकेट भी हासिल किए। उनके लिए 2014-15 में रणजी सीजन बेहतरीन बीता जब उन्होंने 11 पारियों में 57.70 की औसत से 577 रन बनाए।

इसके बाद उन्हें इंडिया ए में जगह मिली ओर फिर 2019 के एकदिवसीय विश्वकप में शामिल किया गया। साल 2024-25 के रणजी सत्र में उन्होंने सेलम में चंडीगढ़ के खिलाफ 171 गेंदों पर 150 रनों की नाबाद पारी खेली जो कि उनके रणजी करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी भी रही है। शंकर से पहले कप्तान बी अपराजित भी तमिलनाडु का साथ छोड़कर केरल चले गये थे।

शंकर के जाने से अब टीम के पास आर एस अम्ब्रिश के तौर पर एक विकल्प है। इस खिलाड़ी ने इंग्लैंड में अंडर-19 में शानदार प्रदर्शन किया था। शंकर का जाना नए सत्र से पहले तमिलनाडु के लिए एक और बड़ा झटका है क्योंकि आर साई किशोर हाथ की चोट से उबर रहे हैं।

पीवी सिंधु ने वर्ल्ड नंबर 2 खिलाड़ी वांग झीयी को हराया, बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

स्पोर्ट्स डेस्क - दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने गुरुवार को BWF विश्व चैंपियनशिप में विश्व की नम्बर 2 खिलाड़ी वांग झीयी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। सिंधु ने झीयी सीधे सेटों में हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया। ओलिंपिक में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकीं सिंधु ने वर्ल्ड नंबर-2 वांग झी के खिलाफ अपना दबदबा कायम रखा। सिंधु ने 5वें हेड टु हेड मैच में वांग को तीसरी बार हराया। वर्ल्ड नंबर 15 सिंधु ने पहला गेम कड़ी टक्कर के बाद 21-19 के अंतर से जीता। दूसरे गेम में भी सिंधु ने 12-6 के अंतर से बढ़त बनाने के बाद इसे कायम रखा। अंत में सिंधु ने दूसरा सेट 21-15 के अंतर से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। अब क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना विश्व की नम्बर 1 बैडमिंटन खिलाड़ी साउथ कोरिया की आन से यंग से हो सकता है।

संजू सैमसन ने फिर किया कमाल, शतक के बाद ठोकी 2 फिफ्टी

स्पोर्ट्स डेस्क । केरल क्रिकेट लीग में संजू सैमसन आए दिन अपने बल्ले से धमाल मचा रहे हैं। वह लगातार एक से बढ़कर एक पारियां खेल रहे हैं। संजू ने अपने प्रदर्शन से एशिया कप 2025 से पहले ही संजू सैमसन ने भारतीय टीम मैनेजमेंट और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की मुश्किल बढ़ा दी है। फिलहाल, एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में ओपनिंग के लिए 3 खिलाड़ियों में जंग देखने को मिल रही है। उपकप्तान शुभमन गिल के साथ अभिषेक शर्मा या फिर संजू सैमसन पारी का आगाज कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे थे कि हेड कोच गंभीर लेफ्ट राइट कॉम्बिनेशनल को तरजीह दे सकते हैं। ऐसे में संजू को बाहर बैठना पड़ता। अब संजू ने केरल क्रिकेट लीग में खुद को साबित कर गंभीर और सूर्या को विचार करने पर मजबूर कर दिया है। इस लीग में संजू ने अब तक तूफानी अंदाज में 1 शतक के साथ दो अर्धशतक भी ठोके। लीग के 15वें मुकाबले में कोच्चि ब्लू टाइगर्स का सामना अदानी त्रिवेंद्रम रॉयल्स से हुआ। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोच्चि ब्लू टाइगर्स को संजू सैमसन और विनूप मनोहरन ने तेज शुरुआत दिलाई। संजू ने 167.57 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 37 गेंदों पर 62 रन कूट दिए। इस दौरान संजू ने 4 चौके और 5 सिक्स लगाए। संजू के इस अर्धशतक की बदौलत कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाए।

भारतीय टीम के टी20 विश्वकप जीतने की संभावना नहीं : श्रीकांत

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे के श्रीकांत ने कहा है कि भारत की जो वर्तमान टीम है उससे अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप को जीता नहीं जा सकता है। श्रीकांत ने कहा कि एशिया कप में ही ये टीम जीत सकती है। श्रीकांत ने कहा, हम इस टीम के साथ एशिया कप तो जीत सकते हैं पर टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि छह माह बाद होने वाले विश्व कप की तैयारी इस टीम के साथ करने से कोई लाभ नहीं होने वाला। माना जा रहा है कि श्रीकांत एशिया कप क लिए चयनित टीम से नाराज हैं। अक्षर पटेल को हटाकर शुभमन गिल को टीम में उपकप्तान बनाने पर भी सवाल उठाये हैं। साथ ही कहा कि रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा को टीम में शामिल करने का फैसला भी गलत है। उन्होंने कहा, । अक्षर पटेल को उप-कप्तानी से हटा दिया गया है। मुझे नहीं पता कि रिंकू, शिवम और हर्षित कैसे टीम में आ गए। आईपीएल को चयन का मुख्य मानदंड माना जाता है पर लगता है कि चयनकर्ताओं ने उससे पहले के प्रदर्शन पर विचार किया है। श्रीकांत ने कहा कि 5वें नंबर के लिए भी टीम के पास बल्लेबाज नहीं है। उन्होंने कहा, पांचवें नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा? पांचवें नंबर पर संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे या रिंकू सिंह में से किसी एक को रखा जाएगा। हार्दिक पांड्या आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, इसलिए अब अक्षर छठे नंबर पर बल्लेबाजी नहीं कर सकते।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ने पाकिस्तान के हॉकी एशिया कप से बाहर होने की वजह बताई

भुवनेश्वर (ओडिशा) (एजेंसी)। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप कुमार तिर्की ने हॉकी पुरुष एशिया कप 2025 में पाकिस्तान और ओमान पुरुष हॉकी टीमों के भाग न लेने के कारणों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है, जबकि ओमान के निजी कारणों से प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया गया है। बिहार के राजगीर में होने वाले आगामी एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में कुछ बदलाव हुए हैं जिसमें पाकिस्तान और ओमान ने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। 29 अगस्त से 7 सितंबर तक होने वाले इस आयोजन में अब बांग्लादेश और कजाकिस्तान की टीमें भाग लेंगी। पाकिस्तान, जो पारंपरिक रूप से एशियाई हॉकी के सबसे बड़े नामों में से एक है, भाग नहीं लेगा जिससे बांग्लादेश के लिए जगह बनाने का रास्ता साफ हो गया है। ओमान ने भी भाग न लेने का फैसला किया है और कजाकिस्तान ने उनकी जगह ले ली है।

हॉकी पुरुष एशिया कप 2025 से बाहर रहने वाली टीमों के बारे में दिलीप तिर्की ने बताया, 'हॉकी पुरुष एशिया कप 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के नवनिर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में 8 टीमें भाग लेंगी... इस टूर्नामेंट के बेहद सफल होने की उम्मीद है... बिहार सरकार इस टूर्नामेंट के लिए भरपूर सहयोग दे रही है... पाकिस्तान सुरक्षा कारणों से और ओमान अपने निजी कारणों से इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले रहा है।' पुरुष एशिया कप बिहार के राजगीर में आठ शीर्ष एशियाई देश भारत, जापान, चीन, कजाकिस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे हिस्सा लेंगे। यह आयोजन 2026 एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफायर के रूप में भी काम करता है जिससे यह खेल पहले से कहीं अधिक सुलभ हो गया है।

दानिल मेदवेदेव कोर्ट पर फोटोग्राफर के आने से गुस्साए, रैकेट भी तोड़ा, लगा 42500 डॉलर का भारी जुर्माना

न्यूयॉर्क । अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मिली हार के बीच कोर्ट पर एक फोटोग्राफर के आने पर अपना गुस्सा उतारने वाले रूस के मेदवेदेव पर उनकी मैच फीस 110000 डॉलर का एक तिहाई से भी अधिक 42500 डॉलर जुर्माना लगाया गया है। टूर्नामेंट रैफरी जैक गार्नर ने खेल भावना के विपरीत आचरण पर मेदवेदेव पर 30000 डॉलर और रैकेट तोड़ने पर 12500 डॉलर जुर्माना लगाया। मैच खत्म होने के बाद मेदवेदेव ने अपना रैकेट तोड़ दिया था। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रह चुके मेदवेदेव उस समय नाराज हो गए जब चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ ने फोटोग्राफर द्वारा बाधा पहुंचाये जाने के बाद विरोधी खिलाड़ी बेंजामिन बोंजी को पहले सर्विस की अनुमति दे दी। बोंजी उस समय तीसरे सेट में 5.4 से आगे थे जब एक फोटोग्राफर कोर्ट के साइड में चलने लगा। बाद में उसकी मान्यता रद्द कर दी गई। चेयर अंपायर ने फोटोग्राफर को बाहर जाने के लिए कहा और उसके बाद बोंजी को फिर सर्विस दे दी।

आज से राजगीर में शुरू होगा एशिया कप 2025, आठ प्रमुख टीमें इस टूर्नामेंट में लेंगी भाग

पटना (एजेंसी)। इंतज़ार खत्म हुआ क्योंकि 10 दिवसीय हीरो पुरुष एशिया हॉकी कप 2025 कल से बिहार के राजगीर में हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती पर 'राष्ट्रीय खेल दिवस' पर शुरू होने वाला है। यह हॉकी एशिया कप का 12वाँ संस्करण है जिसमें आठ शीर्ष एशियाई देश - भारत, जापान, चीन, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे - हिस्सा लेंगे। सभी टीमें राजगीर पहुँच चुकी हैं जहाँ वे एशिया कप 2025 के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। राजगीर के विभिन्न होटलों में खिलाड़ियों के ठहरने के लिए पर्याप्त सुविधाएँ और सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जबकि भारतीय हॉकी टीम के सदस्य खेल परिसर में ठहरेंगे।

सभी मैच कल यानी 29 अगस्त से राजगीर स्थित अंतर्राष्ट्रीय खेल परिसर में खेले जाएँगे और 7 सितंबर, 2025 को समाप्त होंगे। यह आयोजन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 2026 एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफायर के रूप में कार्य करता है, जिसने प्रत्येक खेल को और अधिक गहन और महत्वपूर्ण बना दिया है।

11 संस्करणों में से, गत विजेता कोरिया ने 5 बार एशिया कप जीता

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक-सह-सीईओ रवींद्रन शंकरन ने कहा, 'यह पहली बार है कि पुरुष एशिया हॉकी कप बिहार के राजगीर में आयोजित किया जा रहा है। यह एशिया कप का 12वाँ संस्करण है जिसमें आठ टीमें भाग ले रही हैं।'

उन्होंने बताया कि अब तक आयोजित 11 संस्करणों में से, गत विजेता दक्षिण कोरिया पुरुष एशिया कप में भाग लेने वाली सबसे सफल टीम है, क्योंकि उसने 1994, 1999, 2009, 2013 और 2022 में पाँच बार खिताब जीता है, जबकि मेज़बान भारत ने 2003, 2007 और 2017 में कप जीता है और पाकिस्तान ने भी 1982, 1985 और 1989 में तीन बार यह खिताब जीता है। हॉकी प्रशंसकों को स्टेडियम में मैच देखने के लिए आकर्षित करने हेतु, हॉकी इंडिया ने पहले ही घोषणा कर दी है कि राजगीर में होने वाले एशिया कप के सभी मैचों में प्रवेश निःशुल्क होगा।

हॉकी मैच देखने के लिए निःशुल्क टिकट

प्रशंसक www.ticketgenie.in या हॉकी इंडिया ऐप पर जाकर अपने निःशुल्क टिकट के लिए पंजीकरण कर सकते हैं, जहाँ प्रक्रिया पूरी होने पर उन्हें एक वर्चुअल टिकट प्राप्त होगा। आयोजन स्थल पर किसी भी तरह की भीड़भाड़ से बचने और प्रशंसकों को बिना किसी खर्च के विश्वस्तरीय हॉकी के रोमांच का आनंद लेने के लिए ये व्यवस्थाएँ की गई हैं, जिससे यह खेल पहले से कहीं अधिक सुलभ हो गया है।

कुल 24 मैच खेले जाएँगे; चार मैच 29 अगस्त को पहले दिन खेले जाएँगे।

मेजबान भारत को पूल ए में जापान, चीन और कज़ाकिस्तान के साथ रखा गया है। वे अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को चीन के खिलाफ करेंगे, उसके बाद 31 अगस्त को जापान से और 1 सितंबर को कज़ाकिस्तान के खिलाफ अपना अंतिम पूल मैच खेलेंगे। पूल ए में, भारत-चीन मैच के अलावा, जापान और कज़ाकिस्तान भी पहले दिन भिड़ेंगे। जबकि, पूल बी में मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे शामिल हैं। उद्घाटन मैच मलेशिया और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा, जबकि पहले दिन का दूसरा मैच कोरिया और चीनी ताइपे के बीच खेला जाएगा।

हॉकी के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से बिहार के विभिन्न जिलों और देश के विभिन्न राज्यों में 'ट्रॉफी गौरव यात्रा' निकाली गई है। यह यात्रा 29 अगस्त को राजगीर पहुँचकर समाप्त होगी। 7 सितंबर, 2025 को होने वाले फाइनल मैच तक कुल 24 मैच खेले जाएँगे।

बिहार में पुरुष हॉकी एशिया कप की मेजबानी, गर्व की बात

हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी को बिहार के लिए गर्व की बात बताते हुए, शंकरन ने कहा कि 'यह (एशिया कप की मेजबानी) न केवल राज्य की अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की क्षमता को प्रदर्शित करेगा, बल्कि पर्यटन, कला और संस्कृति के क्षेत्र में बिहार की वैश्विक छवि को भी मज़बूत करेगा।' शंकरन ने कहा, 'राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का विश्व स्तरीय हॉकी स्टेडियम इस आयोजन को और भी भव्य बना देगा। हीरो एशिया कप 2025 का आयोजन बिहार के लिए ऐतिहासिक है, जो राज्य को खेल, संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक मंच पर स्थापित करेगा।'

बिहार द्वारा आयोजित प्रमुख खेल आयोजन

राजगीर स्थित खेल परिसर ने बिहार को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई है क्योंकि राज्य पहले ही कई टूर्नामेंट/चैंपियनशिप का सफलतापूर्वक आयोजन कर चुका है, जैसे नवंबर 2024 में महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी, जिसमें छह टीमों - भारत, मलेशिया, जापान, चीन, थाईलैंड और कोरिया - ने भाग लिया था। इस वर्ष मई (2025) में खेलो इंडिया यूथ गेम्स राजगीर सहित पाँच शहरों में आयोजित किए गए, जहाँ प्रमुख आयोजन हुए। सेपक टकराव विश्व कप 2025 पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित किया गया था।

बदले हुए प्रारुप में आज से शुरु होगा प्रो कबड्डी लीग का 12 वां सत्र

विशाखापत्तनम । प्रो कबड्डी लीग का 12 वां सत्र शुक्रवार से शुरु होने जा रहा है। ये सत्र विशाखा स्पोर्ट्स क्लब, विशाखापत्तनम में शुरू होगा। इसका पहला मुकाबला तेलुगु टाइटंस और तमिल थलाइवाज के बीच होगा। इस सत्र के लिए इसी प्रकार टाई-ब्रेकर के नियमों को भी बदला गया है। जिससे भी इस लीग का रोमांच बढ़ेगा। लीग को लेकर इसमें शामिल सभी टीमों के कोच उत्साह से भरे हैं और सभी ने अपनी-अपनी टीमों की जीत का दावा किया है। बेंगलुरु बुल्स में शामि बीसी रमेश ने कहा, 'मेरे ऊपर बेहतर प्रदर्शन का दबाव है। प्रशंसकों को उम्मीद है कि टीम अच्छा करेगी।' बेंगलुरु बुल्स का पिछले साल प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था इसके बाद पूरी टीम बदल दी गई है।' तमिल थलाइवाज़ के कोच संजीव बालयन ने कहा कि उनकी टीम जीत के लिए बिना किसी दबाव के उतरेगी। उन्होंने कहा, 'हर कोच जीतना चाहता है. हम भी वहीं चाहते हैं पर वही टीम जीतेगी जो दबाव से उबरकर बेहतर खेलेगी।' मौजूदा चैंपियंस हरियाणा स्टीलर्स के मुख्य कोच मनप्रीत सिंह ने कहा, 'लीग बड़ी हो रही है और प्रारुप में बदलाव से कबड्डी को लाभ होगा। ये प्रारुप बहुत अच्छा है क्योंकि इसमें जो टीमें पीछे भी रह जाती हैं, उनके पास वापसी का अवसर रहता है। हम पूरी कोशिश करेंगे कि अपनी ट्रॉफी का बचाव कर सकें। टीम भी पिछली बार से बेहतर हुई है।' वहीं पटना पाइरेट्स के कोच अनूप कुमार ने कहा, 'हमारी टीम काफी अच्छी रही है पर इससे यह एक तरह का दबाव भी है। खिलाड़ी बदलते रहते हैं। जब पटना ने लगातार तीन सत्र जीते, तब टीम अलग थी, कोच अलग थे जब दो बार फाइनल में पहुंचे, तब भी टीम अलग थी। ये सीजन एक नया सीजन है. कुछ खिलाड़ी बदले हैं तो कुछ पिछले सीजन से हैं. कोच भी बदला है. यही प्रयास यह है कि इस बार अच्छी शुरुआत हो और जो टीम पिछले सीजन में नहीं कर पाई, वो इस बार कर दिखाए।.' बंगाल वॉरियर्स के कोच नवीन कुमार ने कहा कि उनकी युवा टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, 'हमने एक युवा टीम बनायी है जो अपने को साबित करेगी।' पुनेरी पलटन के कोच अजय ठाकुर ने कहा, 'मैं फिटनेस पर बहुत काम कर रहा हूं. मुझे लगता है जो टीम कम डिफेंसिव गलतियां करती है, वही जीतती है। मैं कोशिश कर रहा हूं कि हमारी डिफेंस मजबूत हो।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए चहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एनर्जी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 मधुमेह से बचाव के मामले में खड़े रहना फायदेमंद होता है। फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता के बीच संबंध पाया गया है। इतना ही नहीं रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

गतिहीन व्यवहार से इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रुकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रुकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्कू पीईटी सेंटर और यूकेके संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा।

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रनहा बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्कू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारू गर्थवेट का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है।

मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं। जर्नल ऑफ साइंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रहीं तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है?

यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।'

यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खर्राटे आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझाना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खर्राटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।

एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 32% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं।

एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है', तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन.

- रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए।
- अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें।
- धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है।
- कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं।
- अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है।
- जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष ख्याल रखें।
- सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है।
- एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके।

...तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती हैं।

कनेक्टिव टिश्यूज के लिए फायदेमंद

नारियल में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आपके कनेक्टिव टिश्यूज को मजबूत बनाते हैं। नारियल को डायट में शामिल करने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा ये स्किन के लिए भी अच्छा होता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

महिलाओं में आयरन की कमी बड़ी समस्या है। सूखे नारियल में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। डेली डायट में नारियल खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। बच्चा पैदा होने के बाद महिलाओं को नारियल की कई मिठाइयां इसीलिए बनाकर खिलाई जाती हैं।

पोषकतत्वों का भंडार

सूखे नारियल में प्रोटीन, विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीज और सेलिनियम पाया जाता है। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी मजबूत करके शरीर को रोगों से बचाते हैं।

दिमाग रखता है मजबूत

नारियल खाने से किसी का आईक्यू तो नहीं बदलता लेकिन आपके ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करता है। स्टडीज में सामने आ चुका है कि नारियल का तेल अल्जाइमर्स होने से रोकता है।

सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांसें प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सेंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सेंधा नमक खाना शुरू कर दें। सेंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सेंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सेंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी की समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सेंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है।

मांसपेशियों में ऐंठन से राहत

सेंधा नमक में सोडियम क्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मांसपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सेंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों में ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सेंधा नमक में डिकॉन्गेस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

रक्तचाप को करे बैलेंस

सेंधा नमक में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सेंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निजी स्कूल की बस खाई में गिरी...12 से ज्यादा बच्चे घायल

हल्द्वानी (एजेंसी)। उत्तराखंड के हल्द्वानी के बरेली रोड पर जयपुर बीसा गांव में सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। निजी स्कूल की बस, जिसमें बच्चे सवार थे, दूसरी बस को साइड देने के चक्कर में अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत कार्रवाई कर सभी बच्चों को बाहर निकाला, जिसमें 12 से ज्यादा बच्चे घायल हो गए। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बस चालक और परिचालक को भी गंभीर चोटें आई हैं। बताया जा रहा हैं कि हादसा पदमपुर देवलिया गांव के पास हुआ, जहां बस बच्चों को स्कूल ले जा रही थी। घटनास्थल स्कूल के करीब होने की वजह से स्थानीय लोगों ने निजी वाहनों से घायलों को हल्द्वानी के निजी अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दो स्कूल बसें चौराहे के पास साइड ले रही थीं। इस दौरान एक बस ज्यादा किनारे चली गई और खाई में पलट गई। उन्होंने बताया कि बस में करीब 40 बच्चे सवार थे, जिनमें से 12 से ज्यादा घायल हुए। प्रधान ने कहा, इस क्षेत्र के बस चालक अक्सर नशे की हालत में गाड़ी चलाते हैं। पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने बताया कि हादसे वाली जगह पर नाला है, लेकिन शुक्र है कि नाले में पानी नहीं था, वरना कई बच्चों की जान जा सकती थी।

भूस्खलन के कारण चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे बंद... कंगना ने प्रभावित परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन के कारण चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे फिर से बंद हुआ है। इस भूस्खलन में पंडोह डैम के करीब, कैंची मोड़ पर, हाईवे का एक बड़ा हिस्सा ढह गया है। इस घटना ने यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए परेशानी बढ़ा दी है। बात दें कि वर्तमान में हाईवे पूरी तरह बंद है। वाहनों और पैदल यात्रियों के लिए कोई रास्ता नहीं। इस घटनाक्रम पर मंडी से सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने दुख जाहिर कर प्रभावित परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि वह प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हैं और राहत कार्य जारी है। फिलहाल, मंडी से कुल्लू-मनाली के लिए कटौला मार्ग को वैकल्पिक रास्ते के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। यहां छोटे वाहनों को हर एक घंटे में जाने की अनुमति है। 2023 में भी इसी क्षेत्र में भूस्खलन हुआ था, जिससे हाईवे को ठीक करने में 8 महीने लगे थे। स्थानीय प्रशासन और एनएचएआई की टीमें मौके पर मौजूद हैं और मरम्मत कार्य में लगी हैं, लेकिन लगातार बारिश और भूस्खलन का खतरा काम को मुश्किल बना रहा है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे जरूरी होने पर ही यात्रा करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

वैष्णो देवी मंदिर के पास हुए भीषण भूस्खलन में अब तक 35 शव बरामद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर के पास भीषण भूस्खलन के बाद बचाव दल ने गुरुवार सुबह तक मलबे से 35 शव बरामद कर लिए हैं। जम्मू के कई इलाकों में बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में कुल 39 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कटरा भूस्खलन में मारे गए लोग भी शामिल हैं। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि अर्धकुंवारी के पास मलबे से अभी तक 35 शव बरामद किए गए हैं। अब तक 22 शवों की पहचान हो चुकी है। इसमें ज्यादातर उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से कई के परिवार कटरा पहुंच चुके हैं और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव उनके परिजनों को सौंपे जा रहे हैं। भूस्खलन की घटना के बाद माता वैष्णो देवी यात्रा स्थगित की थी, लेकिन बुधवार शाम को पुराने मार्ग से बहाल कर दी गई।

दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता, एनकाउंटर के बाद बिश्नोई गैंग के दो शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में अपराध पर लगाम कसते हुए दिल्ली पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े दो अपराधियों को एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में हुई, जहां पुलिस ने दो संदिग्धों को रोकने की कोशिश की। पुलिस को देखकर दोनों बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने दोनों के पैरों में गोली मारी और उन्हें घायल कर दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कार्तिक जाखड़ और कविश के रूप में हुई है। दोनों लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सक्रिय सदस्य बताए जा रहे हैं और इन पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने मौके से हथियार भी बरामद किए हैं। इस बीच झारखंड एटीएस ने भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया है। इसी महीने की शुरुआत में झारखंड पुलिस ने गैंगस्टर मयंक सिंह को अजरबैजान की राजधानी बाकू से प्रत्यर्पित कर भारत लाया। एटीएस के एसपी ऋषव कुमार झा ने इसे झारखंड पुलिस के इतिहास में पहला सफल प्रत्यर्पण बताया है। बताया जा रहा है कि मयंक सिंह, अमन साहू और लॉरेंस बिश्नोई के बीच संपर्क का माध्यम था। उसके खिलाफ झारखंड, राजस्थान समेत कई राज्यों में 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उससे गिरोह के नेटवर्क और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी जुटा रही है।

अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग में भूकंप के झटके से सहमे लोग

पूर्वी कामेंग (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग जिले में गुरुवार की सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप सुबह 8.05 बजे आया और इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में एनसीएस ने बताय कि भूकंप की तीव्रता 3 ।6 मैग्निट्यूड आंकी गई है। भूकंप के बाद किसी जानमाल की हानी की बात सामने नहीं आई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, इससे पहले 23 अगस्त को असम के कार्बी आंगलोंग में 2.7 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था।

भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, किसी दबाव में नहीं: भागवत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि संघ का कार्य शुद्ध सात्विक प्रेम और समाजनिष्ठा पर आधारित है। संघ का स्वयंसेवक कोई व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा नहीं रखता। यहां इंसेंटिव नहीं हैं, बल्कि डिसइंसेंटिव अधिक हैं। स्वयंसेवक समाज-कार्य में आनंद का अनुभव करते हुए कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी को प्राथमिकता दें तथा भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, किसी दबाव में नहीं।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विज्ञान भवन में आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यानमाला 100 वर्ष की संघ यात्रा - नए क्षितिज के दूसरे दिन बुधवार को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, उत्तर क्षेत्र के प्रांत संघचालक पवन जिंदल और दिल्ली प्रांत संघचालक डॉ. अनिल अग्रवाल मंच पर उपस्थित रहे।सरसंघचालक ने चिंता जताई कि दुनिया कट्टरता, कलह और अशांति की ओर जा रही है। पिछले साढ़े तीन सौ वर्षों में उपभोगवादी और जड़वादी दृष्टि के कारण मानव जीवन की भद्रता क्षीण हुई है। उन्होंने गांधी जी के बताए सात सामाजिक पापों, काम बिना परिश्रम, आनंद बिना विवेक, ज्ञान बिना चरित्र, व्यापार बिना नैतिकता, विज्ञान बिना मानवता, धर्म बिना बलिदान और राजनीति बिना सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे समाज में असंतुलन गहराता गया है।

भागवत ने कहा कि आज दुनिया में समन्वय का अभाव है और दुनिया को अपना नजरिया बदलना होगा। दुनिया को धर्म का मार्ग अपनाना होगा। पूजा-पाठ और कर्मकांड से परे धर्म है। सभी प्रकार के रिलिजन से ऊपर धर्म है। धर्म हमें संतुलन सिखाता है - हमें भी जीना है, समाज को भी जीना है और प्रकृति को भी जीना है। धर्म ही मध्यम मार्ग है जो अतिवाद से बचाता है। धर्म का अर्थ है मर्यादा और संतुलन के साथ जीना। इसी दृष्टिकोण से ही विश्व शांति स्थापित हो सकती है। उन्होंने कहा कि आज समाज में संघ की साख पर विश्वास है। संघ जो कहता है, उसे समाज सुनता है।यह विश्वास सेवा और समाजनिष्ठा से अर्जित हुआ है।

भविष्य की दिशा पर सरसंघचालक ने कहा कि संघ का उद्देश्य है कि सभी स्थानों, वर्गों और स्तरों पर संघ कार्य पहुँचे। साथ ही समाज में अच्छा काम करने वाली सज्जन शक्ति आपस में जुड़े। इससे समाज स्वयं संघ की ही तरह चरित्र निर्माण और देशभक्ति के कार्य को करेगा। इसके लिए हमें समाज के कोने-कोने तक पहुंचना होगा। भौगोलिक दृष्टि से सभी स्थानों और समाज के सभी वर्गों एवं स्तरों में संघ की शाखा पहुंचानी होगी। सज्जन शक्ति से हम संपर्क करेंगे और उनका आपस में भी संपर्क कराएंगे। आर्थिक दृष्टि पर उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयोग हुए हैं, लेकिन अब राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक प्रतिमान गढ़ना होगा। हमें एक ऐसा विकास मॉडल प्रस्तुत करना होगा, जिसमें आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और पर्यावरण का संतुलन हो। ताकि वे विश्व के लिए उदाहरण बने। पड़ोसी देशों से रिश्तों पर उन्होंने कह कि ÷नदियाँ, पहाड़ और लोग वही हैं, केवल नक्शे पर लकीरें खींची गई हैं। विरासत में मिले मूल्यों से सबकी प्रगति हो, इसके लिए उन्हें जोड़ना होगा। पंथ और संप्रदाय अलग हो सकते हैं, पर संस्कारों पर मतभेद नहीं है।

झारखंड विधानसभा में शिबू सोरेन को भारत रत्न देने को लेकर प्रस्ताव पारित

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा में दिशोम गुरु दिवगंत शिबू सोरेन को भारत रत्न से सम्मानित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया है। यह प्रस्ताव गुरुवार को मानसून सत्र के आखिरी दिन रखा गया था। प्रस्ताव में, सामाजिक कल्याण मंत्री दीपक बिरुआ ने शिबू सोरेन के झारखंड आंदोलन में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके संघर्ष ने झारखंड को एक नया राज्य और नई पहचान दी। इस प्रस्ताव के साथ, झारखंड के नेता प्रतिपक्ष, बाबूलाल मरांडी ने जयपाल सिंह मुंडा और विनोद बिहारी महतो को भी भारत रत्न देने की मांग की। संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने भी प्रस्ताव में एक महत्वपूर्ण बात जोड़ने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में आदिवासी समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है, लेकिन अभी तक किसी भी आदिवासी आंदोलनकारी, राजनीतिज्ञ, या बुद्धिजीवी को भारत रत्न नहीं मिला है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि शिबू सोरेन को भारत रत्न दिया जाना चाहिए, और यह बात भी प्रस्ताव में जोड़ी जाए। बता दें कि लंबी बीमारी के बाद 4 अगस्त को शिबू सोरेन का निधन हो गया था। उनके निधन के बाद से ही उन्हें भारत रत्न देने की मांग जोर पकड़ रही थी, और अब इस प्रस्ताव को विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया है।

ट्रंप के टैरिफ विवाद के बीच शिवराज की अपील... स्वदेशी अपनाना, भारत को अपनाने जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप के टैरिफ विवाद के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वदेशी अपनाओ का नारा देकर कहा है कि अगर हमें आगे बढ़ना है, तब हम सभी को स्वदेशी को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाना, भारत को अपनाने जैसा है। केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने पोस्ट कर लिखा, स्वदेशी ही भारत की असली शक्ति है। अगर हमें आगे बढ़ना है, तब स्वदेशी को अपनाना होगा। स्वदेशी सिर्फ वस्त्र या वस्तु नहीं, यह आत्मनिर्भरता का मंत्र है। यह हमारे किसानों की मेहनत का सम्मान है, हमारे कारीगरों के हुनर की पहचान है और हमारे उद्योग व युवाओं की ताकत है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने लिखा, स्वदेशी यानी अपनी माटी की खुशबू है। स्वदेशी यानी वह समान, जिस सामान को बनाने में हमारे देशवासियों का पसीना बहाया है। जब हम स्वदेशी अपनाते हैं, तब हम सिर्फ एक वस्तु नहीं चुनते, बल्कि भारत के भविष्य को चुनते हैं।

चौहान ने लिखा है, हमारे स्वदेशी सामान अपनाने से गांव मजबूत, किसान संपन्न, उद्योग बढ़ने और भारत आत्मनिर्भर बनेगा। इससे पहले चौहान ने एक कार्यक्रम कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने अपील की है और हम सभी को अपील पर ध्यान देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा है कि हम अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करें। उन्होंने अनुरोध कर कहा, आप सबसे अपील है कि अपने दैनिक जीवन में काम आने वाली चीजों में स्वदेश में बने उत्पादों का ही उपयोग करें। यह हमारे देश के लोगों को रोजगार देगा और हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगा।

हिमाचल में बारिश का तांडव, तीन दिन में जाम में फंसे ट्रक... सब्जी और खाने की चीजों की किल्लत

कुल्लू (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बारिश का तांडव थमने का नाम नहीं ले रहा। भारी बारिश के चलते बानला में हुए भूस्खलन ने चंडीगढ़-मनाली हाईवे को पूरी तरह ठप किया है। यहां कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। हिमाचल में कई सड़कें टूट गई हैं और नदियां उफान पर हैं। इसके बाद यात्रियों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

कुल्लू जिले के बानला में भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, इससे चंडीगढ़-मनाली हाईवे अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि सड़क की मरम्मत का काम जोर-शोर से चल रहा है, लेकिन प्रकृति के इस प्रकोप के आगे अभी राहत की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। ब्यास नदी के उफान ने हाईवे का एक हिस्सा बहा दिया, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है।

बीते तीन दिनों से मंडी जिले के पंडोह से ऑट तक हाईवे बंद है। सैकड़ों ट्रक और कारें सड़क पर फंसी हैं और ड्राइवरों का सब्र भी जवाब दे रहा है। सब्जियां और सामान खराब हो रहे हैं, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। अमृतसर से कुल्लू-मनाली जा रहे ड्राइवर ने बताया, चार दिन हो गए, हम यहीं फंसे हैं। सड़क की हालत खराब है और टोल टैक्स के 260 रुपये भी वसूल रहे हैं। प्रशासन से कोई जवाब नहीं मिल रहा।

वहीं, ड्राइवर ने कहा, घर पहुंचना मुश्किल हो गया है। सड़कें टूटी हैं, नदियां उफान पर हैं। प्रशासन ने खाने-पीने या ठहरने की कोई व्यवस्था नहीं की। कुछ ढाबे वाले और लंगर वालों की मदद से जैसे-तैसे गुजारा हो रहा है।

कुल्लू की उपायुक्त तोरुल एस रवीश ने बताया कि जिले के कई हिस्सों को खाली कराया जा रहा है। लगातार बारिश से नेशनल हाईवे कई जगह क्षतिग्रस्त है। ब्यास नदी का जलस्तर बहुत ऊंचा है। लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील है। उन्होंने बताया कि बिंदु ढांक में हाईवे को भारी नुकसान पहुंचा है और बहंग में कुछ दुकानें और रेस्तरां पानी की चपेट में हैं।

हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना लागू....पात्र महिला के खाते में 2100 रुपए आएंगे

चंडीगढ़। हरियाणा में नायाब सैनी सरकार की कैबिनेट की गुरुवार को हुई बैठक में बीजेपी के चुनावी संकल्प पत्र के वादे को पूरा कर लाडो लक्ष्मी योजना पर मुहर लगाकर महिलाओं को बड़ी सौगात दी गई। हरियाणा सीएम ने कैबिनेट की बैठक के बाद बताया कि 25 सितंबर से हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना लागू की जाएगी। हर महीने पात्र महिला को 2100 रुपए मिलने है। सीएम सैनी ने बताया कि कुछ ही दिनों में लाडो लक्ष्मी योजना को लागू करने का नोटिफिकेशन भी सरकार जारी करेगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए एक एप तैयार होगा। उन्होंने इस दौरान कांग्रेस और पंजाब की मान सरकार पर निशाना साधकर कहा कि उन्होंने कभी अपने वादे पूरे नहीं किए लेकिन हरियाणा की बीजेपी सरकार ने जो भी वादे किए थे, सभी को पूरा किया जा रहा है। हरियाणा सीएम ने गुरुवार को बड़ा सरप्राइज देकर हरियाणा की महिलाओं को ये सौगात दी। इससे पहले उन्होंने कहा था कि पहले बजट में लाडो लक्ष्मी योजना के लिए 5000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और दूसरे बजट आने के साथ ही योजना को लागू कर दिया जाएगा।

कहीं शशि थरूर सीएम तो नहीं बनना चाह रहे..? केरल कांग्रेस में बढ़ी हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर इन दिनों अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने कहा है कि वह केरल की अर्थव्यवस्था को सुधारने और राज्य को निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने पर काम करना चाहते हैं। थरूर ने साफ किया कि यदि वह इस दिशा में योगदान दे सके तो यह उनके लिए किसी भी पद से ज्यादा महत्वपूर्ण होगा। उनके हालिया बयान ने सियासी हलचल तेज कर दी है और पार्टी के भीतर चर्चाएं होने लगी हैं कि क्या थरूर आने वाले समय में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल होने जा रहे हैं।

यहां ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम में बोलते हुए थरूर ने कहा, कि केरल को एक 'इन्वेस्टर प्रोटेक्शन एक्ट' की सख्त जरूरत है। उनके मुताबिक, निवेशकों को भरोसा होना चाहिए कि उनका पैसा सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा, कि कारोबार में नुकसान अलग बात है, लेकिन राजनेताओं, अधिकारियों या यूनियनों की वजह से कोई निवेशक प्रभावित नहीं होना चाहिए। थरूर

ने यह भी कहा कि राज्य में हड़तालों पर रोक लगाई जानी चाहिए और अनावश्यक नियमों को 90 प्रतिशत तक कम करना होगा।

अर्थव्यवस्था को सुधारने पर फोकस

सांसद थरूर ने राज्य की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि केरल कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है और उसे बदलाव की सख्त जरूरत है। उनका कहना है कि सही नीतियों के जरिये राज्य को निवेश और विकास का केंद्र बनाया जा सकता है। इसी बीच जब उनसे पूछा गया कि क्या वह मुख्यमंत्री पद की ओर देख रहे हैं, तो थरूर ने कहा, कि मैंने कभी किसी पद की चाह नहीं रखी। मुझे हमेशा लोगों ने बुलाया और मैंने सेवा की। कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में भी मैंने केवल इसलिए हिस्सा लिया क्योंकि कई लोगों ने मुझसे ऐसा करने को कहा था।

यहां बताते चलें कि अगले साल केरल विधानसभा चुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अगुवाई में एलडीएफ तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस के लिए यह चुनाव करो या मरो की स्थिति जैसा है। पार्टी के भीतर इस बात पर मंथन जारी है कि आगामी चुनाव में किसे नेतृत्व की जिम्मेदारी दी जाए।

थरूर के अलावा वीडी सतीसन, केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्नीथला के नाम भी संभावित चेहरों में गिने जा रहे हैं। कुल मिलाकर, थरूर के बयानों ने कांग्रेस खेमे में नए समीकरणों की चर्चा को हवा दे दी है। अब देखना यह होगा कि पार्टी उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने पर विचार करती है या नहीं।

जब तक मैं जीवित हूं, लोगों का मताधिकार किसी को भी छीनने नहीं दूंगी... बीजेपी पर बरसीं ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए पार्टी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि बांग्लादेश के विभाजन के दौरान, लोगों की भाषा बांग्ला थी, इसीलिए वे बांग्ला में बात करते हैं। भाजपा मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए 500 सदस्यीय टीम लाकर सर्वेक्षण कर रही है। अपने दस्तावेज़ उनके साथ साझा न करें। क्योंकि वे आपके दस्तावेज़ एकत्र करने और मतदाता सूची से आपके नाम हटाने की योजना बना रहे हैं। बस आधार कार्ड ले जाएं क्योंकि यह एक अनिवार्य आईडी प्रूफ है।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग हमारे अधिकारियों को धमका रहा है। इसका (आयोग का) अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान के तीन महीनों तक है, पूरे साल नहीं। बनर्जी

ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों द्वारा निभायी गयी भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, ''अगर बांग्ला ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस में लिखे गए हैं? वे चाहते हैं कि लोग स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों द्वारा निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका को भुला दें। हम इस भाषाई आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगे।''

मता बनर्जी ने कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार छीनने नहीं देंगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह बंगालियों पर भाषाई आतंक फैला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हम महिलाओं के लिए 'लक्ष्मी भंडार' योजना लेकर आए हैं, जबकि भाजपा के पास 'भ्रष्टाचार भंडार' और भाई-भतीजावाद है। वे देश को लूट रहे हैं, जबकि हम महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)-नीत वाम दल पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह (वाम दल) उनसे मुकाबला करने के लिए भाजपा से हाथ मिला रहा है।

पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पहले हम देखते थे कि हर कोई वोट देकर अपने प्रतिनिधियों को चुनकर सत्ता में आता था। लेकिन आज हम देखते हैं कि मौजूदा सरकार अपने हितों की रक्षा के लिए अपने मतदाताओं को चुन रही है। पहले लोग सरकार चुनते थे, अब सरकार लोगों को चुन रही है (जिन्हें वोट देने की अनुमति होगी)। क्या बंगाल इसके खिलाफ लड़ेगा या नहीं?

उत्तर भारत में सबसे ज्यादा सक्रिय रहा मानसून, सामान्य से 21 प्रतिशत ज्यादा हुई बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते 12 सालों में इस साल सबसे ज्यादा बारिश उत्तर भारत में हुई है। यहां अब तक सामान्य से 21 प्रतिशत ज्यादा पानी गिरा है। पिछले साल अगस्त में भारी (64.4-115.5एमएम) से बहुत भारी वर्षा (115.5-204.4एमएम) की घटनाएं ज्यादा हुई थीं, लेकिन अत्यंत भारी वर्षा की घटनाएं इस साल के मुकाबले कम थीं। पिछले साल उत्तर भारत में अगस्त का महीना 1996 के बाद (28 वर्षों में) सबसे अधिक बरसात वाला रहा। पूरे क्षेत्र में 256.4एमएम बारिश दर्ज की गई थी। लेकिन, इस साल मौजूदा महीने में अभी तक (26 अगस्त तक) 209.4 एमएम वर्षा दर्ज हो चुकी है और पांच दिन बाकी हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अभी एक या दो दिन यही स्थिति बनी रह सकती है।

आईएमडी के अनुसार 25 अगस्त तक उत्तर भारत में अत्यंत भारी बारिश की 21 घटनाएं दर्ज की हैं, जो कि पिछले साल की ऐसी 14 घटनाओं से कहीं ज्यादा है। 2013 के मानसून में ही उत्तराखंड में केदारनाथ वाली तबाही आई थी। सबसे चिंताजनक बात ये है कि अगस्त में इस इलाके ने अबतक सबसे ज्यादा अत्यंत भारी वर्षा वाले दिन दर्ज किए हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 2021 से यह डेटा जुटाना शुरू किया है। आशंका है कि इस महीने के अंत तक अत्यंत भारीवर्षा वाली घटनाओं की संख्या और बढ़ेगी, जिससे हाल के वर्षों में यह सबसे ज्यादा तबाही मचाने वाले मानसून में शामिल हो जाएगा। आईएमडी के मुताबिक अत्यंत भारी वर्षा का मतलब है, जब किसी जगह पर 24 घंटे में 204.5एमएम से अधिक बारिश होती है। यही नहीं, इस बार के मानसून में उत्तर भारत ने अबतक के तीनों महीनों (जून, जुलाई, अगस्त) में सरप्लस बरसात दर्ज की है, जो कि देश के चारों क्षेत्रों में सबसे अधिक है और यह भी 2013 के बाद पहली बार हो रहा है।

पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही अत्यधिक बारिश

आईएमडी प्रमख मृत्युंजय महापात्रा के अनुसार, पिछले दो महीनों में उत्तर पश्चिम भारत (मौसम विभाग के हिसाब से उत्तरी भारत) में खूब बारिश हुई है। इसका मुख्य कारण है, पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आने वाली मॉनसूनी हवाओं का बार-बार टकराना। कभी-कभी अरब सागर से भी मानसूनी हवाएं आती हैं। आईएमडी उत्तर पश्चिम भारत में जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को शामिल करता है। आईएमडी के अनुसार अत्यंत भारी वर्षा की ज्यादातर घटनाएं हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू और कश्मीर में हुई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट पर हमले की साजिश

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी की एक अदालत ने मंगलवार को एक 16 वर्षीय लड़के को आतंकवादी हमले की साजिश में मदद करने का दोषी पाया है। यह साजिश अमेरिकी पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट के ऑस्ट्रिया में होने वाले कॉन्सर्ट पर हमला करने की थी, जिसे पिछले साल नाकाम कर दिया गया था। दोषी लड़का सीरिया का नागरिक है और जर्मनी में रहता है। गोपनीयता नियमों के चलते उसका नाम मोहम्मद ए. बताया गया है। अदालत ने उसे 18 महीने की निलंबित सजा सुनाई है। इसका मतलब है कि अगर वह भविष्य में कोई और अपराध नहीं करता, तो उसे जेल नहीं भेजा जाएगा। अदालत ने टिप्पणी कि जब वह लड़का सिर्फ 14 साल का था, तब वह इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रभावित था। वह सोशल मीडिया के जरिए ऑस्ट्रिया में रहने वाले एक अन्य युवक के संपर्क में था, जो विएना में टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट पर हमला करने की योजना बना रहा था। मोहम्मद ने न केवल उसे बम बनाने की वीडियो भेजी, बल्कि उसे ड्रूस के एक सदस्य से संपर्क भी कराया। इस साजिश के उजागर होने के बाद 7 अगस्त 2024 को विएना में होने वाले टेलर स्विफ्ट के तीन कॉन्सर्ट रद्द कर दिए गए थे।

अमेरिका से निर्वासितों को लेने के समझौते पर घिरा युगांडा

कंपाला, एजेंसी। युगांडा और अमेरिका के बीच एक विवादित समझौता सुर्खियों में है, जिसके तहत युगांडा अमेरिकी निर्वासितों को अपने देश में लेने के लिए तैयार हुआ है। इस समझौते को लेकर युगांडा में तीखी आलोचना हो रही है, खासकर इसलिए क्योंकि इसे संसद की मंजूरी के बिना ही तय कर लिया गया। यह समझौता अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, युगांडा में इस डील को राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी पर अमेरिकी दबाव कम करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिकी सरकार हाल ही में युगांडा के कई अधिकारियों, जिनमें संसद की स्पीकर भी शामिल हैं, पर प्रतिबंध लगा चुकी है।

पाकिस्तान में पोलियो के दो और नए मामले, 2025 में अब तक कुल 23 केस

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पोलियो के दो नए मामले सामने आए हैं, जिससे इस साल देशभर में कुल मामलों की संख्या 23 हो गई है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, ये नए केस टैंक जिले के मल्लाजई यूनियन काउंसिल की 16 महीने की बच्ची और उत्तर वजीरिस्तान के मीरान शाह-3 यूनियन काउंसिल की 24 महीने की बच्ची में पाए गए हैं। पोलियो अब भी पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। सुरक्षा चुनौतियों, वैक्सीन को लेकर झिझक और अफवाहों की वजह से पोलियो उन्मूलन की कोशिशें धीमी पड़ रही हैं। इस्लामाबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की रिपोर्ट में बताया गया है कि 2025 में अब तक केपी से 15, सिंध से 6, पंजाब और गिलगित-बाल्टिस्तान से 1-1 पोलियो केस सामने आ चुके हैं। एनआईएच ने दोहराया कि पोलियो बेहद संक्रामक और लाइलाज बीमारी है, जिससे जीवनभर के लिए लकवा हो सकता है। इससे बचने का एकमात्र तरीका बार-बार पोलियो की दवा (ओरल पोलियो वैक्सीन) देना है। एनआईएच ने बताया कि जिन बच्चों तक वैक्सीन पहुंचना मुश्किल है या जहां लोगों में वैक्सीन को लेकर संकोच है, वहां खतरा सबसे अधिक बना रहता है। इसलिए केंद्र और राज्य स्तर पर पोलियो वैक्सीनेशन अभियानों को और मजबूत किया जा रहा है। सितंबर 2025 में एक विशेष पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा।

गांधी को जिन्ना से बड़ा रहनुमा मानने वाला मौलाना गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में मोहम्मद अली जिन्ना के बजाय महात्मा गांधी को बड़ा रहनुमा मानने वाले मौलवी को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। एक शिकायत के बाद इंजीनियर मोहम्मद अली मिर्जा को पंजाब के झेलम शहर में 30 दिनों के लिए पकड़ा गया। झेलम के उपायुक्त मोहम्मद मीसम अब्बास ने बताया कि मौलवी को एमपीओ अध्यादेश की धारा-3 के तहत पकड़ा गया है। यह धारा अधिकारियों को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए हानिकारक कार्य करने से रोकने या सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेने का अधिकार देता है। यह कार्रवाई सोमवार को एक धार्मिक समूह की ओर से मिर्जा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद की गई। उसमें एक साक्षात्कार के दौरान उनकी विवादास्पद टिप्पणियों के लिए कार्रवाई की मांग की गई थी। पेशे से इंजीनियर मिर्जा ने वर्षों पहले धर्म के क्षेत्र में स्वतंत्र करिअर शुरू करने के लिए अपना पेशा छोड़ दिया था व सोशल मीडिया पर प्रवचन और व्याख्यान देकर प्रसिद्धि अर्जित की। झेलम शहर के मशीन मोहल्ला निवासी मिर्जा अपने रूढ़िवादी धार्मिक विचारों के कारण विवादों में रहे हैं।

बिगड़ता जा रहा है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का स्वास्थ्य, मनोवैज्ञानिकों ने जताई चिंता, दिमाग से जुड़ी है बीमारी

वाशिंगटन, एजेंसी। दो प्रमुख मनोवैज्ञानिकों- डॉ. हैरी सेगल और डॉ. जॉन गार्टनर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मानसिक और शारीरिक स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। विशेषज्ञों का दावा है कि 79 वर्षीय ट्रंप में डिमेंशिया (मनोभ्रंश) के स्पष्ट लक्षण दिखाई दे रहे हैं, जो समय के साथ बदतर होते जा रहे हैं। यह दावा उनके हालिया कार्यक्रम थ्रिंकिंग ट्रंप में किया गया, जिसमें ट्रंप के व्यवहार और शारीरिक गतिविधियों में असामान्य बदलावों पर चर्चा की गई।

मनोवैज्ञानिकों का दावा- ट्रंप में फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया के लक्षण

डॉ. गार्टनर ने कहा कि ट्रंप की मनो-मोटर कार्यप्रणाली में स्पष्ट गिरावट देखी जा रही है, जो डिमेंशिया का एक प्रमुख संकेत है। उन्होंने बताया कि ट्रंप संभवतः फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया से पीड़ित हो सकते हैं, जो एक असामान्य प्रकार का डिमेंशिया है। यह बीमारी मस्तिष्क के सामने और किनारे के हिस्सों को प्रभावित करती है, जिसके कारण व्यवहार और भाषा से संबंधित समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यह बीमारी धीरे-धीरे वर्षों में और गंभीर होती जाती है।

डॉ. गार्टनर ने बताया, पिछले साल एक न्यूरोसाइकोलॉजिस्ट ने हमें बताया था कि फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया का एक प्रमुख लक्षण है वाइड-बेस्ड गेट, जिसमें व्यक्ति का एक पैर असामान्य रूप से अर्ध-वृत्ताकार गति में हिलता है। उन्होंने हाल ही में अलास्का में ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई मुलाकात के दौरान के वीडियो का हवाला दिया, जिसमें ट्रंप को लाल कालीन पर चलते समय असामान्य तरीके से डगमगाते देखा गया।

ट्रंप लाल कालीन पर डगमगा रहे थे

डॉ. गार्टनर ने वीडियो का विश्लेषण करते हुए कहा, ट्रंप लाल कालीन पर इधर-उधर डगमगा रहे थे। उनके दाहिने पैर की गति उन्हें बाईं ओर धकेल रही थी, और फिर वह इसे ठीक करने के लिए दूसरी ओर बढ़ रहे थे।

उन्होंने मजाक में कहा, अगर आपको ड्रंक ड्राइविंग टेस्ट के लिए रोका जाता और आप इस तरह चलते, तो आप निश्चित रूप से फेल हो जाते। डॉ. सेगल ने भी इस पर सहमति जताई और कहा, यह बहुत असामान्य है। ट्रंप नशे में नहीं दिख रहे, फिर भी वे अपने एक पैर पर नियंत्रण खोते हुए दिखाई दे रहे हैं।

ट्रंप का स्वास्थ्य और उनकी प्रतिक्रिया

इन चिंताओं के बावजूद, ट्रंप ने अपनी संज्ञानात्मक क्षमताओं की बार-बार प्रशंसा की है। अप्रैल में अपनी वार्षिक मेडिकल जांच के बाद, ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने संज्ञानात्मक परीक्षण में सर्वोच्च अंक हासिल किए। हालांकि, डॉ. सेगल और डॉ. गार्टनर ने पहले ही इस दावे को खारिज करते हुए कहा था कि यह परीक्षण सामान्य रूप से आसान होता है और इसे पास करना कोई बड़ी उपलब्धि नहीं है।

ट्रंप की सेहत को लेकर बढ़ती चिंता

मनोवैज्ञानिकों ने यह भी बताया कि ट्रंप अपनी सेहत से जुड़ी चिंताओं को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल के दिनों में उन्हें अपने हाथ के पिछले हिस्से को छिपाते हुए देखा गया है, जिसे विशेषज्ञ उनके स्वास्थ्य में गिरावट का एक संकेत मान रहे हैं। डॉ. गार्टनर ने कहा, ट्रंप की सार्वजनिक उपस्थिति, भाषा और मौखिक अक्षमता के साथ-साथ अब उनकी मोटर क्षमता में भी गिरावट स्पष्ट हो रही है।

फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया क्या है?

फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया एक दुर्लभ प्रकार का डिमेंशिया है, जो मस्तिष्क के फ्रंटल और टेम्पोरल लोब्स को प्रभावित करता है। इसके लक्षणों में व्यवहार में बदलाव, भाषा संबंधी कठिनाइयां, और शारीरिक गतिविधियों में समस्याएं शामिल हैं। यह बीमारी आमतौर पर 40 से 65 वर्ष की आयु के बीच शुरू होती है, लेकिन यह बुजुर्गों में भी देखी जा सकती है।

कोलंबिया में 34 सैनिकों का अपहरण, सरकार ने कहा- सूचना देने वाले को 5000 डॉलर का इनाम

बोगोटा, एजेंसी। दक्षिण कोलंबिया में विद्रोहियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे 34 सैनिकों को एक विद्रोही समूह के इशारे पर काम कर रहे ग्रामीणों ने अपहरण कर लिया है। यह जानकारी कोलंबिया सरकार ने दी है। कोलंबिया के रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने मंगलवार को कहा कि सेना ग्वावियारे प्रांत में बंधक बनाए गए सैनिकों की रिहाई के लिए अपनी सभी क्षमताओं का उपयोग करेगी और अपहरण में शामिल विद्रोहियों की सूचना देने वाले को 5000 डॉलर का इनाम देने की घोषणा की।

सैनिकों को बंधक बनाकर रखे हैं ग्रामीण : सांचेज ने पत्रकारों से कहा कि यह कार्रवाई गैरकानूनी है और इससे क्षेत्र में बड़े खतरे के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान में रुकावट आ रही है। उन्होंने बताया कि सैनिकों को रविवार से एल रेटोर्नो गांव के पास बंधक बनाकर रखा गया है, जहां एफएआरसी (रेवोल्यूशनरी आर्म्ड फोर्सेस ऑफ कोलंबिया) के 10 विद्रोही एक मुठभेड़ में मारे गए थे। ग्रामीण, जो सैनिकों को बंदी बनाए हुए हैं, एक मृत विद्रोही के शव की मांग कर रहे हैं, जिसे प्रांतीय राजधानी के मुर्दाघर में ले जाया गया है।

सुरक्षित रिहाई के लिए प्रयास जारी : गौरतलब है कि 2016 में कोलंबिया सरकार और एफएआरसी के बीच शांति समझौता होने के बावजूद, कुछ असंतुष्ट विद्रोही समूह अब भी इस क्षेत्र में सक्रिय हैं, जो हिंसा और तनाव को बढ़ा रहे हैं। वर्तमान में सरकार बंधकों की सुरक्षित रिहाई के लिए प्रयास कर रही है, लेकिन स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। फिलहाल इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। सरकार को उम्मीद है कि बहुत जल्द सफलता मिल जाएगी।

इंडोनेशिया में दो लोगों को सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे को चूमने के लिए मारे गए 76 कोड़े

बांदा आचे, एजेंसी। इंडोनेशिया के बांदा आचे प्रांत में दो मर्दों को सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे को चूमने के लिए कोड़े मारे गए। शरिया अदालत ने उन्हें इस्लामी कानून का उल्लंघन करने का दोषी ठहराया था। मंगलवार को बांदा आचे के बुस्तानुस्सलातिन शहर के एक पार्क में मंच पर लगभग 100 लोगों की भीड़ ने यह सजा देखी। समलैंगिक यौन संबंध बनाने वालों को यहां 100 कोड़े की सजा दी जाती है। आचे में जुआ खेलने, शराब पीने, तंग कपड़े पहनने वाली महिलाओं और शुक्रवार की नमाज में शामिल न होने वाले पुरुषों को भी कोड़े मारे जाते हैं।

दोनों को 80-80 कोड़े की सजा

अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, दोनों व्यक्तियों को 80-80 कोड़े की सजा सुनाई गई थी। इस्लामी धार्मिक पुलिस ने बताया कि उन्हें एक सार्वजनिक पार्क के शौचालय में गले मिलते और चूमते हुए पाया गया था। इस सार्वजनिक पिटाई में प्रत्येक व्यक्ति को एक छड़ी से 76 कोड़े मारे गए। दोनों की 80 कोड़ों की सजा को कम किया गया, क्योंकि वे चार महीने तक हिरासत में थे। यह सजा प्रांतीय राजधानी बांदा आचे के एक पार्क में दी गई, जहां भीड़ ने बेंतों की सजा देखी।

बताया जाता है कि ये दोनों 10 लोगों के उस समूह का हिस्सा थे, जिन्हें मंगलवार को बांदा आचे के एक पार्क में विभिन्न अपराधों के लिए कोड़े मारे गए। दोनों को भीड़ के सामने अलग-अलग छड़ी से पीटा गया। बांदा आचे शरिया पुलिस के कानून प्रवर्तन प्रमुख रोसलीना ए जलील ने बताया कि अप्रैल में स्थानीय शरिया पुलिस ने दोनों को उसी पार्क के सार्वजनिक शौचालय में एक साथ पाया था। रोसलीना ने कहा कि एक आम नागरिक ने संदिग्ध गतिविधि देखी और इसकी सूचना पुलिस को दी थी।

अन्य लोगों को भी सजा

इन दोनों के अलावा मंगलवार को तीन महिलाओं और पांच पुरुषों को विवाहेतर यौन संबंध, विपरीत लिंग के लोगों के साथ निकटता और ऑनलाइन जुआ खेलने के लिए दोषी ठहराकर कोड़े मारे गए। गौरतलब है कि शराब पीने जैसे अपराधों के लिए बेंत मारने की सजा को आचे में जनता का मजबूत समर्थन प्राप्त है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल की निंदा

दूसरी ओर एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस सजा की निंदा की। एमनेस्टी के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक मोंटसे फेरर ने कहा कि समान लिंगीय आचरण को अपराध घोषित करना न्यायपूर्ण और मानवीय समाज में स्वीकार्य नहीं है। गौरतलब है कि 2001 में विशेष स्वायत्तता मिलने के बाद इस क्षेत्र ने धार्मिक कानून लागू करना शुरू किया। जकार्ता ने लंबे समय से चले आ रहे अलगाववादी विद्रोह को दबाने की कोशिश की थी।

संघर्षविराम पर इस्राइल की चुप्पी से कतर नाराज; इस्राइली रक्षा मंत्री और आईडीएफ प्रमुख के बीच बैठक

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच बीते 23 महीनों से चल रहे संघर्ष में गाजा की स्थिति दिन-प्रतिदिन और घातक होती जा रही है। गाजा में युद्ध को खत्म करने को लेकर किए जा रहे प्रयास भी असफल होते दिख रहे हैं। क्योंकि अभी तक इस मामले में इस्राइल का साफ रुख सामने नहीं आया है। इसी कारण युद्ध को खत्म करने की इन कोशिशों के बीच कतर ने भी इस्राइल के रवैये से नाराजगी जताई है। मामले में कतर ने कहा कि इस्राइल अब तक संघर्षविराम प्रस्ताव पर कोई आधिकारिक जवाब नहीं दे रहा है।

मीडिया रिपोर्ट की माने तो कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने कहा कि इस्राइल ना प्रस्ताव को स्वीकार कर रहा है, ना ही खारिज कर रहा है और ना ही कोई नया प्रस्ताव सामने ला रहा है। उन्होंने बताया कि हमास पहले ही इस महीने मिस्र और कतर को सूचित कर चुका है कि वह संघर्षविराम के प्रस्ताव को मान चुका है और बातचीत फिर से शुरू करने को तैयार है। बता दें कि इस बार के संघर्षविराम

प्रस्ताव के तहत इस्राइली सेना 60 दिनों तक सैन्य कार्रवाई बंद करेगी, इस दौरान राहत सामग्री पहुंचने दी जाएगी और बचे हुए बंधकों में से आधे को रिहा कर दिया जाएगा।

कतर का कहना है कि यह वही प्रस्ताव है जिसे पहले इस्राइल ने भी मंजूरी दी थी और अब हमास ने 98 प्रतिशत हिस्से पर सहमति जता दी है। अल-अंसारी ने कहा कि अब गेंद इस्राइल के पाले में है, लेकिन इस्राइल न तो सहमत दिखता है, न कोई जवाब दे रहा है।इसके साथ ही कतर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह इस्राइल पर दबाव बनाए ताकि वह युद्ध रोकने के लिए आगे आए। मीडिया रिपोर्ट की माने तो हमास की सहमति के बाद से संघर्षविराम प्रस्ताव पिछले 10 दिनों से टेबल पर है, लेकिन इस्राइल की तरफ से सिर्फ और अधिक हमले, तबाही और गाजा के और जमीन पर कब्जे की योजना सामने आई है, समाधान की दिशा में कोई कदम नहीं। इसको लेकर कतर ने दोहराया कि वह शांति की कोशिशें जारी रखेगा, लेकिन समय निकलता जा रहा है और हालात और भी बदतर होते जा रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर मंगलवार को इस्राइल के रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज और इस्राइली सेना (आईडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल एयाल जामीर के बीच एक अहम बंद कमरे में बैठक हुई। इस बैठक में दोनों अधिकारियों ने सेना में वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्तियों की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया।

बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि अब भी रक्षा मंत्री से पूर्व सलाह लेना इस प्रक्रिया का हिस्सा बना रहेगा। इसका उद्देश्य सेना में नेतृत्व की निरंतरता बनाए रखना, पूर्ण सहयोग सुनिश्चित करना और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने की सेना की क्षमता को मजबूत करना है। इस दौरान दोनों नेताओं ने कहा कि आईडीएफ की नियुक्ति प्रक्रिया हमारे सैन्य संसाधनों की देखभाल का एक मूल स्तंभ है, और हम इसे पेशेवर तरीके से आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे।

गौरतलब है कि यह बैठक ऐसे समय हुई है जब इस्राइली रक्षा मंत्री और सेना प्रमुख के बीच कथित मतभेद की कई खबरें सामने आ रही थीं, खासतौर पर वरिष्ठ पदोन्नति और सैन्य नीतियों को लेकर। अब माना जा रहा है कि इस बैठक से दोनों के बीच तनाव कम हुआ है और IDF में नियुक्तियों की प्रक्रिया सुचारू रूप से आगे बढ़ेगी।

ऑस्ट्रेलिया- गायब हो गया पूरा विमान, 22 दिन पहले तस्मानिया से भरी थी उड़ान, ना मलबा मिल रहा ना सुराग

तस्मानिया , एजेंसी। मलेशियाई फ्लाइट एनएच370 आपको याद ही होगी। 8 मार्च, 2014 को कुआलालंपुर से बीजिंग के लिए रवाना हुई यह फ्लाइट अचानक लापता हो गई थी। विमान में 239 लोग सवार थे। दस साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद दुर्घटना का कारण आज भी एक रहस्य बना हुआ है। अब ऑस्ट्रेलिया में हुई एक घटना ने इस विमान की यादें ताजा कर दी हैं। यहां दो लोगों और उनके कुत्ते को लेकर जा रहा एक यात्री विमान 2 अगस्त 2025 से लापता है। 22 दिन बीत जाने के बाद भी विमान का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

न्यूज 18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक विमान में 72 वर्षीय ग्रेगरी वॉन, उनकी 66 वर्षीय पार्टनर किम वार्नर और उनका कुत्ता मौली सवार थे। विमान को ग्रेगरी ही चला रहे थे। फ्लाइट ने बीते 2 अगस्त को तस्मानिया के जॉर्जटाउन हवाई अड्डे से दोपहर लगभग 1 बजे उड़ान भरी थी। रिपोर्ट के मुताबिक विमान को पहले विक्टोरिया ले जाया गया और फिर वे न्यू साउथ वेल्स के हिलस्टन एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए थे। लेकिन बास स्ट्रेट के ऊपर विमान अचानक गायब हो गया।

जानकारी के मुताबिक जब शाम तक भी विमान से कोई सूचना नहीं मिली, तो परिवार ने अलार्म बजाया। इसके बाद खोज शुरू की गई। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने उत्तरी तस्मानिया, बास स्ट्रेट और विक्टोरिया में कई हेलीकॉप्टरों, नावों और जहाजों की मदद से तलाशी शुरू की। हालांकि 22 दिनों के बाद भी अधिकारियों को कोई सफलता नहीं मिल पाई है। उन्हें न तो कोई मलबा मिला है और न ही एक्सीडेंट के कोई संकेत। वहीं विमान से कोई इमरजेंसी संकेत भी नहीं भेजे गए थे, जिसे लेकर हैरानी जताई जा रही है।

राष्ट्रपति के पास फेड गवर्नर को हटाने का अधिकार नहीं, ट्रंप के फरमान के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगी लिसा कुक

वाशिंगटन, एजेंसी। फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक ने कहा कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के खिलाफ मुकदमा करेंगी ताकि उन्हें बर्खास्त करने से रोका जा सके। उनकी वकील ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वाशिंगटन में लंबे समय से वकील रहीं एब्बे लोवेल ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक को हटाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि केवल एक रेफरल पत्र के आधार पर उन्हें बर्खास्त करने का राष्ट्रपति ट्रंप का प्रयास तथ्यात्मक या कानूनी आधार से रहित है। हम इस अवैध कार्रवाई को चुनौती देने के लिए मुकदमा दायर करेंगे।

दरअसल, ट्रंप ने अपने इस फैसले के पीछे फेडरल हाउसिंग फाइनेंस एजेंसी के डायरेक्टर विलियम पल्प के क्रिमिनल रेफरल को आधार बनाया है। पल्प ने लिसा कुक पर मॉर्गेज फ्रॉड का आरोप लगाया, जिसमें कहा गया कि कुक ने मिशिगन और जॉर्जिया में कई प्रॉपर्टीज को अपनी प्राइमरी रेजिडेंस बताकर ऋण शर्तें हासिल की थीं। लिसा कुक ने इस फैसले को गैरकानूनी बताते हुए तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास उन्हें हटाने का कोई अधिकार नहीं है। कुक ने स्पष्ट किया कि वह इस्तीफा नहीं देंगी और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए अपना काम जारी रखेंगी।

सुप्रीम कोर्ट तक जा सकता है मामला : कुक की वकील एब्बे लोवेल ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि ट्रंप का यह कदम पूरी तरह अवैध है। उनका कहना है कि केवल एक रेफरल पत्र के आधार पर किसी गवर्नर को हटाया नहीं जा सकता। अब कुक अदालत का रुख करने जा रही हैं। जानकारों का मानना है कि फेडरल रिजर्व एक्ट 1913 के तहत किसी गवर्नर को केवल फॉर कॉज यानी गंभीर कदाचार या लापरवाही की स्थिति में ही हटाया जा सकता है। ऐसे में यह मामला अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच सकता है और फेड जैसी स्वतंत्र संस्था पर राष्ट्रपति के कानूनी अधिकार की सीमाओं को और स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकता है। हालांकि, अभी तक वाइट हाउस और जस्टिस डिपार्टमेंट ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

ट्रंप बोले- ईमानदार लोगों की जरूरत : वहीं, ट्रंप ने एक बैठक में पत्रकारों से कहा कि हमें पूरी तरह ईमानदार लोगों की जरूरत है, और ऐसा नहीं लगता कि वह थीं। उन्होंने कहा कि कुक की जगह लेने के लिए उनके पास कई अच्छे लोग हैं, लेकिन वह अदालत के किसी भी फैसले का पालन करेंगे जो उन्हें उनकी नौकरी से हटा दे। बता दें कि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान फेड पर ब्याज दरें कम करने का दबाव

डाला था और हाल के महीनों में इस अभियान को और तेज किया है। राष्ट्रपति ने ब्याज दरों में कई प्रतिशत की कटौती की मांग की है और फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल को बर्खास्त करने की धमकी दी है, हालांकि हाल ही में उन्होंने इससे इनकार किया है।

ट्रंप को मिल जाएगा बहुमत हासिल करने का मौका : कुक के जाने से ट्रंप को फेड के सात सदस्यीय बोर्ड में बहुमत हासिल करने का मौका मिलेगा, जिसमें दो मौजूदा सदस्य और वाइट हाउस के अर्थशास्त्री स्टीफन मिरान का लंबित नामांकन शामिल है। ट्रंप ने कहा कि अगर कुक की जगह खाली होती है, तो वह मिरान को, जिन्हें उन्होंने फेड बोर्ड में अस्थायी पद के लिए नामित किया था, नियुक्त करने पर विचार कर सकते हैं, जिनकी नियुक्ति जनवरी में समाप्त हो रही है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व बैंक समूह के पूर्व अध्यक्ष डेविड मालपास, जो ट्रंप के लंबे समय से सहयोगी रहे हैं, के नाम पर भी इस पद के लिए चर्चा हुई थी।

फेड की स्वतंत्रता पर खतरा : ट्रंप के सफल होने पर फेड की राजनीतिक स्वतंत्रता कमजोर हो सकती है। फेडरल रिजर्व अमेरिका की ब्याज दरें तय करता है, जो घर, कार, बिजनेस लोन, निवेशकों के भरोसे, महंगाई और पूरी अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर असर डालती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार मांग कर चुके हैं कि चेयरमैन जेरोम पॉवेल और फेड की दर-निर्धारण समिति अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और सरकार के 37 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण पर ब्याज भुगतान को कम करने के लिए ब्याज दर में कटौती करें। अगर ट्रंप कुक को फेड के गवर्नर बोर्ड से हटाने में सफल हो जाते हैं, तो इससे फेड की राजनीतिक स्वतंत्रता पर असर पड़ सकता है।

लिसा कुक को हटाने पर ट्रंप का बहुमत : राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में फेड बोर्ड के दो सदस्यों क्रिस्टोफर वालर और मिशेल बोमन को नियुक्त किया था। साथ ही एड्रियाना कुग्लर की जगह व्हाइट हाउस के शीर्ष अर्थशास्त्री स्टीवन मिरान की नियुक्ति की। कुग्लर ने एक अगस्त को अपना पद छोड़ दिया था। अब अगर ट्रंप लिसा कुक को हटा देते हैं और नए सदस्य को लाते हैं, तो फेड बोर्ड में उनका बहुमत (4-3) हो जाएगा, जिससे ब्याज दरें तय करने में उनका सीधा असर बढ़ जाएगा।

कुक पर क्या आरोप? : ट्रंप के समर्थक बिल पल्टे ने आरोप लगाया है कि कुक ने 2021 में मिशिगन के एन आर्बर और अटलांटा में अपने घरों पर गलत जानकारी देकर सस्ती मॉर्गेज ली थी। लेकिन अभी तक इन आरोपों का कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लाजपोर जेल के सिपाही पर दुष्कर्म की शिकायत

सोशल मीडिया से संपर्क में आई युवती को 15 दिन तक जेल क्वार्टर में रखकर शारीरिक शोषण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के स्थित लाजपोर जेल में कार्यरत एक जेल सिपाही के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार, आरोपी ने सोशल मीडिया के जरिए युवती से संपर्क साधा था और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। वर्तमान में पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी की कार्रवाई में जुटी हुई है।

लाजपोर स्थित मध्यवर्ती जेल में सिपाही के रूप में कार्यरत रसिक सुरेश चौधरी, मूलत: तापी जिले के सोंगढ़ के रहने वाले हैं। वर्तमान में वे स्टाफ क्वार्टर में रहते थे। जून महीने में वे इंस्टाग्राम पर एक 26 वर्षीय युवती से संपर्क में आए थे। शुरुआती बातचीत के बाद दोनों में दोस्ती हो गई थी। चैटिंग के दौरान रसिक चौधरी ने युवती को शादी का लालच देकर प्रेम संबंध बना लिए।

सिपाही रसिक चौधरी की मीठी-मीठी बातों में फंसकर युवती भी उसके साथ उसके जेल क्वार्टर में करीब पखवाड़े तक रही थी। इस दौरान दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बने। लेकिन युवती का शोषण करने के बाद रसिक चौधरी ने अपनी असलियत दिखा दी और शादी से इनकार कर दिया। अचानक उसके व्यवहार और वाणी में बदलाव आने पर युवती टूट गई और उसने जेल सिपाही रसिक चौधरी के खिलाफ सचिन पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

गुजरात में पुलिस विभाग में तबादले का बड़ा फैसला

एक साथ 118 PSI का तबादला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य के गृह विभाग ने पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल करते हुए एक साथ 118 पुलिस सब-इंस्पेक्टर (PSI) के तबादले के आदेश जारी किए हैं। डीजीपी विकास सहाय द्वारा विभिन्न जिलों के अलग-अलग पुलिस थानों में ड्यूटी कर रहे 182 पुलिस सब-इंस्पेक्टरों के आंतरिक तबादले के आदेश जारी किए गए हैं।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही, 18 अगस्त को राज्य में 105 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया था। उसके सिर्फ 10 दिन बाद गृह विभाग द्वारा लिया गया यह दूसरा बड़ा फैसला माना जा रहा है।

पुलिस-पालिका की नाकामी से ब्रिज पर भर गया रविवार बाजार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पालिका और पुलिस की कमजोर कार्यवाही के कारण दबाव की समस्या बेकाबू हो चुकी है। गुंडा तत्वों के खिलाफ कोई सख्त कदम न उठाए जाने से उनकी हिम्मत बढ़ गई है।

इसी कारण बीते रविवार स्वामी विवेकानंद ब्रिज पर रविवार बाजार भर गया। पालिका ने पहले से घोषणा की थी कि गणेश विसर्जन के लिए कृत्रिम तालाब बनाए गए हैं, इसलिए डक्का ओवारा पर रविवार बाजार नहीं लगेगा। लेकिन दबंग तत्वों ने पालिका और पुलिस को चुनौती देते हुए ब्रिज के दोनों ओर कब्ज़ा कर बाजार जमा दिया।

यहां पालिका और पुलिस दोनों के पास सीसीटीवी कैमरे मौजूद थे, फिर भी बाजार भर गया, जो बड़ा विवाद बन गया। अभी यह विवाद शांत भी नहीं हुआ था कि अडाजन सहज क्षेत्र में दबाव करने वालों को और आसानी देने के लिए पालिका ने शेयरिंग साइकिल स्टैंड ही हटा दिया।

इस तरह पालिका और पुलिस की नाकामी से दबाव करने वाले अब बेलगाम हो गए हैं।

सूरत में पकड़े गए 400.555 किलो नशीले पदार्थों का नाश

एक वर्ष में 11.22 करोड़ का गांजा, हाइब्रिड गांजा, चरस,अफीम और एमडी ड्रग्स जब्त, दहेज की फैक्ट्री की भट्ठी में जलाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने हाल ही में एक बड़ी कार्रवाई की है, जिसमें कुल 11.22 करोड़ रुपये मूल्य के 400 किलो से अधिक नशीले पदार्थों को नष्ट किया गया। एक वर्ष के दौरान दर्ज 34 अलग-अलग मामलों में जब्त किए गए इन ड्रग्स को भरूच जिले के दहेज स्थित BEIL कंपनी की भट्ठी में जला कर नष्ट किया गया।

ड्रग्स डिस्पोज़ल कमेटी द्वारा की गई इस कार्रवाई में गांजा, हाइब्रिड गांजा, चरस, अफीम और मेफेड्रोन (MD) ड्रग्स जैसे पदार्थ शामिल थे। यह सभी जखीरे सूरत शहर के विभिन्न पुलिस स्टेशनों द्वारा जब्त किए गए थे।

यह कार्रवाई सूरत पुलिस के ड्रग्स विरोधी अभियान का हिस्सा है। शहर के युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है और इस तरह बड़े पैमाने पर ड्रग्स के नाश से अपराधियों को कड़ा संदेश दिया गया है। इस कार्रवाई में सूरत शहर SOG और ड्रग्स डिस्पोज़ल कमेटी के अधिकारी मौजूद रहे। इस सफल ऑपरेशन से एक बार फिर समाज से ड्रग्स का जहर खत्म करने की प्रतिबद्धता साबित हुई है।

नष्ट किए गए नशीले पदार्थों का विवरण:

गांजा: 371.195 किलो (लगभग 32.44 लाख)
हाइब्रिड गांजा: 3.162 किलो (लगभग 88.49 लाख)
चरस: 9.269 किलो (लगभग 4.58 करोड़)
अफीम: 990.400 ग्राम (लगभग 6,720)
एमडी (मेफेड्रोन): 5.38 किलो (लगभग 5.32 करोड़)
संदिग्ध पाउडर: 10.501 किलो (लगभग 10.50 लाख)

सूरत कोर्ट का अहम फैसला

सहमति से शारीरिक संबंध के बाद शादी से इनकार करना बलात्कार नहीं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की सेशंस कोर्ट ने तीन साल पुराने दुष्कर्म मामले में आरोपी युवक को निर्दोष करार देते हुए बरी करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने बचाव पक्ष की दलील स्वीकार करते हुए कहा कि - "तीन साल तक सहमति से बने शारीरिक संबंधों के बाद शादी से इनकार करना बलात्कार की श्रेणी में नहीं आता।"

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के डिंडोली क्षेत्र से बीबीए की पढ़ाई कर रही युवती ने जुलाई 2022 में कतारगाम के एम.टेक के छात्र के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में युवती ने कहा था - "युवक ने इंस्टाग्राम के जरिए मुझसे दोस्ती की थी। बाद में उसने शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। बाद में उसने शादी से इनकार कर दिया।"

इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। लेकिन कोर्ट ने बचाव पक्ष के वकील की दलील मानते हुए युवक को निर्दोष घोषित कर दिया।

बचाव पक्ष के वकील अश्विन जे. जोगडिया ने कोर्ट में कहा कि -"आरोपी ने शिकायतकर्ता युवती के साथ जबरन शारीरिक संबंध नहीं बनाए। प्रेम संबंध टूट जाने के कारण यह शिकायत दर्ज कराई गई है।"

हाईकोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए उन्होंने कहा -"अगर शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए गए हैं, तो यह दुष्कर्म नहीं है।"कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार किया और युवक को बरी कर दिया।

युवती ने यह भी आरोप लगाया था कि आरोपी से संबंधों के कारण वह गर्भवती हुई थी, लेकिन सुनवाई के दौरान गर्भपात के कोई सबूत सामने नहीं आए। वकील ने बताया कि अन्य मेडिकल सबूतों के अलावा डीएनए रिपोर्ट भी युवती और आरोपी से मेल नहीं खाती।

मेडिकल जांच के दौरान युवती ने कहा था कि -"आरोपी ने मेरे साथ 30 से 35 बार शारीरिक संबंध बनाए।"

इस पर बचाव पक्ष के वकील अश्विन जोगडिया ने शक जताया कि युवती निम्फोमेनिया जैसी मानसिक स्थिति से पीड़ित हो सकती है।

डॉक्टर से पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि - "कई बार महिलाओं में पुरुषों से अधिक शारीरिक संबंध बनाने की इच्छा होती है। यह एक प्रकार की मानसिक अवस्था मानी जाती है।"

सूरत सेशंस कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा -

*शिकायतकर्ता शिक्षित है और सही-गलत समझ सकती है।
**युवक और युवती अलग-अलग जातियों के हैं, इस वजह से युवक और उसकी मां ने शादी से इनकार किया था।
**इसके बावजूद युवती ने आरोपी के साथ संबंध जारी रखे।
**युवती ने आरोपी के साथ जाते समय होटल और रेस्टोरेंट में अपने पहचान पत्र खुद दिए थे, इससे साफ है कि कोई दबाव नहीं था।

केवल दीयों की रोशनी में होते हैं बाप्पा के दर्शन

सूरत के बेगमपुरा दूधारा गली में बालाजी के साथ गणेशजी की प्रतिमा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कोट इलाके की एक गली में गणेश मंडप में गणपति बप्पा के दर्शन करने आने वाले भक्तों को ऐसा अनुभव हो रहा है जैसे वे तिरुमाला में बालाजी भगवान के दर्शन कर रहे हों। इस गणेश आयोजन समिति ने तिरुपति बालाजी मंदिर थीम पर बालाजी भगवान के साथ श्रीजी की प्रतिमा की स्थापना की है। खासियत यह है कि जिस प्रकार तिरुमाला मंदिर में केवल दीयों की रोशनी में भगवान के दर्शन होते हैं, उसी तरह इस मंडप में भी बालाजी-गणेशजी की आरती होती है, जिससे भक्त अभिभूत हो रहे हैं।

गणेशोत्सव की शुरुआत सूरत में धूमधाम से हो चुकी है। कोट क्षेत्र की बेगमपुरा दूधारा गली के बालाजी ग्रुप द्वारा हर साल यूनिक थीम पर गणेशजी की स्थापना की जाती है। इस साल **बालाजी मंदिर के 'सुप्रभात दर्शन' की थीम रखी गई है।

च्सूरत से बड़ी संख्या में भक्त तिरुपति बालाजी के दर्शन करने जाते हैं, लेकिन सभी को सुप्रभात दर्शन का सौभाग्य नहीं मिलता। इसलिए हमने उसी तरह की थीम पर गणेशजी की स्थापना की है और प्रतिदिन रात को इस तरह दर्शन कराए जाते हैं।"

"हम हर साल ग्रुप में चर्चा करके यूनिक थीम चुनते हैं। इस साल कई विचार आए, लेकिन बालाजी मंदिर की थीम सबसे ज्यादा पसंद आई, इसलिए उसी पर गणेशजी की स्थापना की गई है। पहले ही दिन से भक्त आनंदित हो रहे हैं।"

"बालाजी भगवान जिस स्वरूप में तिरुमाला मंदिर में विराजमान हैं, वैसी ही प्रतिमा यहाँ स्थापित की गई है। उनके साथ नीचे काले रंग की श्रीजी की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। जिस तरह तिरुमाला में केवल दीयों की रोशनी में भगवान के दर्शन होते हैं, उसी प्रकार यहाँ भी बालाजी-गणेशजी की आरती की जाती है, और भक्तों को दिव्य अनुभव मिल रहा है।"

बेगमपुरा दूधारा गली में बालाजी मंदिर थीम पर श्रीजी की प्रतिमा स्थापित होने के बाद भक्तों ने कहा -

च्हम हर साल यहाँ आते हैं। इस बार तिरुपति बालाजी के साथ श्रीजी की प्रतिमा देखना हमारे लिए सुखद आश्चर्य रहा। यहाँ की आरती देखकर सचमुच ऐसा लगा जैसे तिरुपति बालाजी मंदिर में भगवान के दर्शन कर रहे हों।"

तिरुमाला बालाजी मंदिर में 'मॉर्निंग ब्रेक दर्शन' के समय हर तीन मिनट पर आरती होती है। ठीक उसी तरह यहाँ भी रात 8:30 बजे से शुरू होकर हर तीन मिनट पर आरती होती रहती है और यह तब तक जारी रहती है जब तक भक्त दर्शन के लिए आते रहते हैं।

साइकिल स्टैंड से दबाव (अवैध कब्ज़ा) हटाने की, लेकिन पालिका ने साइकिल स्टैंड ही हटा दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका द्वारा दबाव करने वालों (अवैध कब्ज़ा करने वालों) को बढ़ावा देने का एक और मामला अडाजन इलाके से सामने आया है। यहां शेयरिंग साइकिल प्रोजेक्ट के लिए स्टैंड बनाया गया था। इस स्टैंड पर अवैध कब्ज़ा हो जाने से लोगों ने पालिका से शिकायत की थी कि कब्ज़ा हटाया जाए। लेकिन पालिका ने कब्ज़ा हटाने के बजाय पूरा साइकिल स्टैंड ही हटा दिया**, जिससे दबाव करने वालों को खुली छूट मिल गई। इस कार्रवाई के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

सूरत पालिका की दबाव हटाने की कार्रवाई लगातार विवादों में घिर रही है।

जिन लोगों से विरोध की उम्मीद नहीं होती, उनका कब्ज़ा पालिका तुरंत हटा देती है, लेकिन जो लोग प्रतिकार करते हैं उनके अवैध कब्ज़े जस के तस बने रहते हैं। इसी कारण दबाव की समस्या लगातार बढ़ रही है।

ट्रम्प के 50' टैरिफ से

सूरत के हीरा-टेक्सटाइल उद्योग में 50,000 से अधिक नौकरियां खतरे में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा अतिरिक्त 25' टैरिफ लागू करने के साथ ही अब भारत से आने वाले उत्पादों पर कुल 50' टैरिफ लगने लगा है। इसका सबसे बड़ा असर सूरत के हीरा उद्योग और कपड़ा उद्योग पर पड़ने की संभावना है। एक्सपोर्ट में भारी गिरावट के कारण हजारों लोगों की नौकरियां चली जाने का डर है।

खासकर छोटे हीरा कारखानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। सूरत का करीब 30' हीरा व्यापार अमेरिका के साथ होता है और अब 50' टैरिफ लागू हो गया है।

इसके चलते भारत से डायमंड-ज्वेलरी का निर्यात बुरी तरह प्रभावित होगा। इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा, लेकिन सूरत के लिए यह मंदी के दौर में बड़ी आफ़त साबित होगा। पहले से ही हीरा उद्योग में मंदी चल रही है। रत्नकर्मियों की बार-बार की मांग के बाद गुजरात सरकार को उनके बच्चों की पढ़ाई के लिए फीस सहायता पैकेज घोषित करना पड़ा था। अब 50ज टैरिफ की वजह से मौजूदा काम कर रहे रत्नकर्मियों की नौकरी पर भी संकट मंडरा रहा है।

इसी बीच,जेम एंड ज्वेलरी काउंसिल ऑफ इंडिया ने अमेरिकी 50' टैरिफ के संदर्भ में डायमंड और ज्वेलरी उद्योग के लिए तुरंत राहत पैकेज देने की मांग की है। अकेले हीरा और ज्वेलरी उद्योग में ही 50,000 से ज्यादा नौकरियां जाने का खतरा है।

वहीं, 50' टैरिफ की वजह से टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स भी मुश्किल में हैं। अमेरिकी खरीदारों की तरफ से ऑर्डर में 50' तक की कमी आने का डर है, जिससे करीब 40,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो सकता है। भारत की तुलना में चीन, पाकिस्तान, तुर्की और वियतनाम पर टैरिफ कम है। ऐसे में अमेरिका में टेक्सटाइल व्यापार के मामले में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति कमजोर हो जाएगी।

घातक हत्या

रुपये की लेन-देन में हमवतन ने दोस्त को चाकू मारकर की हत्या

पुणागाम मुक्तिधाम ढाल के पास रात में दोनों के बीच हुआ था झगड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुणागाम सीताराम सोसाइटी मुक्तिधाम ढाल के पास मंगलवार रात रुपये की लेन-देन के विवाद को लेकर दो हमवतन दोस्तों के बीच झगड़ा हो गया। इस दौरान एक युवक ने अपने मित्र पर चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। मृतक के शरीर पर करीब 8 गहरे घाव पाए गए।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक विपुल भूराभाई नकुम (उम्र 28), विक्रमनगर सोसाइटी, पुणागाम में अपने छोटे भाई के साथ संयुक्त परिवार में रहते थे और गाड़ियों की खरीद-फरोख्त का काम करते थे।

मंगलवार रात विपुल नकुम जब पुणागाम सीताराम सोसाइटी मुक्तिधाम सोसाइटी के ढाल के पास से गुजर रहे थे, तभी वहां उनका हमवतन और कभी का दोस्त विपुल शंभु वाला निवासी: माकणागाम, कामरेज) मिला और उसने मृतक को रोक लिया।

मृतक ने अपने भाई लालजी को फोन कर बताया कि, "मैंने विपुल वाले को पकड़ लिया है, मुझे इससे पैसे लेने हैं।" इसके बाद उसने विपुल वाले की बाइक के बारे में भी पूछा और फिर फोन काट दिया।

इसी दौरान पैसों की मांग को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। गुस्से में आकर विपुल वाले ने चाकू जैसे धारदार हथियार से मृतक विपुल नकुम पर लगातार 8 वार कर दिए, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी विपुल वाला वहां से फरार हो गया।

सूचना मिलते ही पुणा पुलिस मौके पर पहुंची, शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा और हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जानकारी के अनुसार, आरोपी विपुल वाला पिछले कुछ समय से अपने गांव में रह रहा था और लगभग 20 दिन पहले ही कामरेज स्थित अपने घर लौटा था। वह हीरा कारखाने में नौकरी करता था, लेकिन नियमित रूप से नहीं। बताया जाता है कि वह किसी की बाइक लेकर घूम रहा था, जिस पर मृतक विपुल नकुम ने उसे पकड़ लिया था। इसी दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि उसने हत्या कर दी।